www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
18 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 55 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मानसून कमजोर, देश के 40% हिस्से में बारिश की कमी

● 7 दिन से तेलंगाना में अटका मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून के तीसरे सप्ताह में भी मानसून देश के बड़े हिस्से को कवर नहीं कर पाया है। 17 जून की सुबह ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक के ऊपर मानसूनी बादल नहीं हैं। इन राज्यों में आसमान साफ दिख रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 723 जिलों में से सिर्फ 103 में ही सामान्य बारिश हुई है। यानी, देश के 40% हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसकी मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी में मजबूत लो-प्रेशर एरिया का न बनना है। 4 जून को केरल में दस्तक देने के बाद मानसून 13 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। पिछले 7 दिन से यह तेलंगाना के भद्राचलम में अटका हुआ है। इसी वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है। मानसूनी बारिश भले ही न हुई हो, लेकिन प्री-मॉनसून एक्टिविटीज और लोकल सिस्टम्स की वजह से देश के अधिकांश राज्यों में पारा 40त्ड या इससे नीचे बना हुआ है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र, तेलंगाना और ओडिशा में हीटवेव से राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक, जेट स्ट्रीम का मौजूदा पैटर्न कमजोर होने पर मानसूनी हवाएं तेज होंगी।

एमपी में कुएं की खुदाई के दौरान मलबा धंसा

● सास-बहू 50 फीट गहराई में दबीं

राजगढ़ (एजेंसी)। जिले के खिलचीपुर क्षेत्र स्थित बामनगांव छोटी में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। गांव में खुद रहे नए कुएं में अचानक मलबा धंसने से दो महिलाएं दब गईं। मलबे में दबी दोनों महिलाएं रिश्ते में सास-बहू हैं। घटना के बाद गांव में अफरातफरी मच गई और बचाव कार्य के लिए प्रशासन का अमला मौके पर पहुंच गया। जानकारी के अनुसार बामनगांव में एक जनपद सदस्य के खेत में नया कुआं खुदवाया जा रहा था। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे जनपद सदस्य की 60 वर्षीय मां रूपाबाई और 30 वर्षीय पत्नी पिंकी बाई कुएं के अंदर उतरी थीं। बताया जा रहा है कि कुएं में जमा मिट्टी और पत्थर निकालने के लिए दोनों नीचे गई थीं। इसी दौरान कुएं की कच्ची दीवार अचानक भरभराकर ढह गई।देखते ही देखते करीब 50 फीट गहरे कुएं में ऊपर से भारी मात्रा में मिट्टी और मलबा गिर गया, जिससे दोनों महिलाएं उसके नीचे दब गईं। हादसे की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर बचाव का प्रयास किया, लेकिन मलबा अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी।

भागवत बोलेः हल्दीघाटी युद्ध महाराणा प्रताप जीते, लेकिन चर्चा उल्टी

इतिहासकारों ने ऐसा नैरेटिव बनाया, अकबर की जयंती कहीं नहीं मनाई

उदयपुर (एजेंसी)। राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध को लेकर इतिहासकारों ने केवल नैरेटिव बनाया। युद्ध में केवल जीत महाराणा प्रताप की हुई थी। मुगलों के ही इतिहासकार लिखते हैं कि मुगलों को पीछे खिसकना पड़ा। फिर विजय किसकी हुई? हल्दीघाटी में विजय का ही परिणाम है कि आज महारणा प्रताप की जयंती मनाई जा रही है, अकबर की जयंती कोई नहीं मनाता है। दरअसल, महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय के 450 साल पूरे होने पर उदयपुर में तीन दिवसीय कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज उदयपुर के गांधी ग्राउंड में सभा का आयोजन किया गया। इसमें आरएसएस प्रमुख के अलावा सीएम भजनलाल शर्मा व अन्य भाजपा नेता भी पहुंचे थे। संकल्प

सभा निम्बार्क पीठ के पीठाधीश्वर श्याम शरण देवाचार्य भी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि आज कई लोग हमारी एकता को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे लिए राष्ट्र ही प्रथम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्मल कीचड़ से कमल का जन्म होता है। जबकि, मलयुक्त कीचड़ से केवल कॉकरोच का जन्म होता है। हमें ध्यान रखना होगा कि हमें केवल निर्मल कमल की ओर ही बढ़ना होगा। पीठाधीश्वर के कॉकरोच की बात करने पर मोहन भागवत भी मुस्कुराने लगे। 1. प्रताप या सेना नहीं, पूरा समाज लड़ाः सरसंघचालक ने कहा- आज हम राणा प्रताप की जयंती मनाते है, आपने कभी सुना कि कहीं अकबर की कोई जयंती है? हल्दीघाटी युद्ध में केवल प्रताप या सेना ही नहीं यहां पूरा समाज लड़ा। सेना और शस्त्र से तो अकबर का पलड़ा भारी था। प्रताप के पास धन कम था, शस्त्र कम थे। हम भारत के लोग कभी गुलाम नहीं होते। 2. इतिहासकारों ने गलत लिखाः हल्दीघाटी के युद्ध में विजय केवल महाराणा प्रताप की हुई थी। मुगल इतिहासकारों ने भी लिखा है कि- हम भाग गए थे। केवल हाथी मिला था। तीन हमलों के तथ्यों से ये समझा जा सकता है कि हमले में मुगल सेना के साथ क्या हुआ था। धन-बल कम होने के बाद भी प्रताप की सेना जीती थी। इतिहासकारों ने गलत लिखा। 3. हमारा इतिहास गुलामी का नहींः भागवत ने कहा- कोई आक्रांता हमारी भूमि में पैर रखता, उस दिन से उसको हटाने के प्रयास शुरू हो जाते हैं। हमारा इतिहास गुलाम का नहीं है, हमारा इतिहास गुलाम करने वालों के खिलाफ संघर्ष का है। वो जो आंधी चलकर आई थी, स्पेन से साइबेरिया तक अपना सिक्का जमाया। लेकिन बप्पा रावल, ललितादित्य जैसे लोगों के कारण वो आंधी अंदर नहीं आ सकी थी। निम्बार्क पीठ के पीठाधीश्वर ने सभा में कहा कि मलयुक्त कीचड़ से केवल कॉकारोच का ही जन्म होता है।

दिल्ली की पांच झुग्गी बस्तियों का बदलेगा नक्शा

पक्के घर की ओर बढ़ेंगे लाखों परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की झुग्गी और जेजे क्लस्टर बस्तियों में रहने वाले लाखों परिवारों के लिए पक्के घर का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में ह्यदिल्ली स्लम एंड जेजे क्लस्टर पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति-2026ह्ण को मंजूरी मिलने के बाद अब इसके क्रियान्वयन की तैयारी शुरू हो गई है। पहले चरण में अगले 45 दिनों के भीतर पांच जेजे क्लस्टरों के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।केंद्रीय गृह मंत्री के साथ हुई इस मीटिंग में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह विभाग मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बताया कि नीति को जमीन पर उतारने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और डूसिब जल्द ही पांच जेजे क्लस्टरों के लिए व्यवहारिक टेंडर जारी करेंगे। इसके बाद हर महीने कम से कम पांच ऐसी परियोजनाओं के टेंडर निकालने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि पुनर्वास प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। इस नीति का सबसे बड़ा उद्देश्य झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवारों को बेहतर और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्षों से अस्थायी परिस्थितियों में रह रहे लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्थायी घर मिल सकें। इससे न केवल उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा, बल्कि दिल्ली के शहरी विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

गुजरातः सड़क हादसे में 6 की मौत, 31 घायल

मरने वालों में 9 साल का बच्चा भी, बांसवाड़ा से सूरत जा रही बस खड़े ट्रक से टकराई

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है। शुरूआती जानकारी के अनुसार, बालाजी ट्रैवल्स की लग्जरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए। सूचना मिलते ही SDRF,

NDRF और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सभी घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया था। गुजरात में सूरत जिले के बारडोली के पास दो जून को भी दो बसें टकरा गई थीं। हादसे में 7 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा घायल हो गए। टक्कर के बाद एक बस के पलटते ही उसमें आग लग गई थी। दोनों बसें महाराष्ट्र की हैं। हादसा सड़क पर पलटे एक टैंकर को बचाने की कोशिश के दौरान हुआ। टैंकर की टक्कर से बचाने की कोशिश में एक बस ड्राइवर का स्टीयरिंग पर कंट्रोल नहीं रहा और बस डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में जाकर सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई। हादसे के वक्त बस में चीख-पुकार मच गई।

टक्कर के कारण 31 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। एक्सीडेंट की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। सभी घायलों को इलाज के लिए तुरंत वडोदरा के प्रसिद्ध सयाजी अस्पताल ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है।

उद्धव की पार्टी टूटी, राउत ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में गाली दीः 9 में से 6 सांसद हुए बागी

मुम्बई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, छह सांसदों ने बुधवार सुबह 9:30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। हालांकि, अभी स्पीकर या बागी गुट की तरफ इसकी पुष्टि नहीं की गई है। बागी सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। संजय ने बुधवार सुबह ही पार्टी छोड़ने की खबरों को खारिज किया था। इस बीच दिल्ली में राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बागी सांसदों को गाली दी। राउत ने कहा- ये

साले #$% के। ये बेईमान लोग हैं। बेईमानी उनके खून में हैं। राउत ने बाद में सफाई देते हुए कहा- मराठी में ऐसे शब्द आम बोलचाल का हिस्सा हैं। शिवसेना में चार साल में यह दूसरी बड़ी टूट है। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने बगावत कर शिवसेना का अलग गुट बनाया था। पिछले 3 महीने के दौरान विपक्षी गुट के 27 सांसदों ने अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा या NDA को समर्थन दिया है। इनमें 7 AAP के राज्यसभा सांसद और 20 TMC के लोकसभा सांसद हैं। शिवसेना (UBT) में टूट की अटकलों के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) चीफ और यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने वाली है और पार्टी के कई नेता इखढ में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सपा चीफ अखिलेश यादव ने पार्टी में टूट की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सपा मजबूत और एकजुट है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के अपने विधायक पाला बदलने वाले हैं।

फिर सड़क पर उतरीं ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज एक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। वह प्रदर्शन में शामिल होने के लिए एस्प्लेनेड के वाई-चैनल पहुंचीं। टीएमसी का आरोप है कि राज्य में फेरीवालों को विस्थापन और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। पार्टी ने भाजापा पर आरोप लगाया है कि वह सड़क किनारे सामान बेचने वाले लोगों को निशाना बना रही है। इसके साथ ही उनकी रोजमर्रा की कमाई में बाधा उत्पन्न कर रही है। दरअसल, एक अभियान के तहत हावड़ा स्टेशन के क्षेत्र से लगभग 150 स्टॉल और सड़क किनारे की दुकानें और करीब 200 फेरीवालों को हटाया गया। इसमें खाद्य पदार्थ, फल, खिलौने और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं बेचने वाले विक्रेता शामिल थे। भाजपा ने इस मामले पर आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राज्य में अपने 15 साल के शासनकाल के दौरान उन्हें संरक्षण दिया था।वहीं दूसरी ओर तृणमूल ने गरीब फेरीवालों के सपनों को कुचलने के लिए भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। पार्टी ने कहा था कि घरों को ध्वस्त करने और परिवारों को विस्थापित करने से पहले, अधिकारियों को प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति के लिए उचित पुनर्वास, वैकल्पिक आवास और सम्मान सुनिश्चित करना चाहिए।

कोटद्वार में एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए 4.96 करोड़ स्वीकृत

मुख्यमंत्री ने विकास योजनाओं के लिए दी 105 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों के साथ ही राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के तहत विभिन्न सड़कों के निर्माण, सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित योजनाओं आदि के लिए कुल 105 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री द्वारा हरूहीत मंदिर कढोली नगर पंचायत भिकियासैंण का सौन्दर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार किये जाने हेतु 93.36 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 56 लाख, विकासखण्ड द्वारीखाल के अन्तर्गत कठुड़ बड़ा, देवीखाल में स्थित माँ बाल कुँवारी माता मंदिर के सौन्दर्यकरण हेतु 72.67 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त 43.60 लाख स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा श्रम न्यायालयों में ट्रांसजेण्डर, दिव्यांगजनों एवं महिलाओं हेतु पृथक शौचालय तथा अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए जनपद देहरादून, काशीपुर एवं हरिद्वार हेतु कुल 1.41 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने के साथ ही पर्यटन विभाग हेतु जनपद अल्मोड़ा की रानीखेत विधानसभा के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष में कुल 1.50 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा नगर निगम कोटद्वार के अन्तर्गत एलईडी स्ट्रीट लाइट की स्थापना के लिए कुल 4.96 करोड़, जनपद नैनीताल के अन्तर्गत दीवानी न्यायालय, रामनगर में न्यायिक कर्मचारीगण हेतु टाईप तृतीय के भवन निर्माण हेतु 18.59 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा कुम्भ मेला-2027 के अन्तर्गत मायापुर में फायर स्टेशन के लिए 50 बिस्तरों वाले बैरक के निर्माण किये जाने हेतु भारत सरकार द्वारा 4.17 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा रिंग फॅन्स्ड अकाउण्ट के अन्तर्गत शहरी विकास विभाग में पशु शव दाह गृह निर्माण हेतु नगर निगम हल्द्वानी-काठगोदाम, रुद्रपुर, हरिद्वार, रूड़की व लीगेसी वेस्ट निस्तारण हेतु नगर पालिका परिषद शिवालिक नगर, चम्बा, कर्णप्रयाग, बागेश्वर, नगर पंचायत सुल्तानपुर-आदमपुर, द्वाराहाट एवं कूडा वाहन एवं उपकरण क्रय किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद नैनीताल, पुरोला, महुआखेडगंज, नगर पंचायत गूलरभोज एवं बनबसा में 48.58 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र रायपुर मण्डल हेतु आपदा से क्षतिग्रस्त मुख्य व आन्तरिक मार्गों का नालियों सहित पुनः निर्माण किये जाने हेतु 7.76 करोड़, जनपद ऊधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र रूद्रपुर के रूद्रपुर शहर में गाबा चौक से डीडी चौक तक मार्ग के चौड़ीकरण हेतु 13.73 करोड़ तथा जनपद रूद्रप्रयाग की विधानसभा क्षेत्र रुद्रप्रयाग के विकासखण्ड जखोली के अर्न्तगत छेनागाड बक्सीर मोटर मार्ग के अवशेष भाग के डामरीकरण हेतु 4.02 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य योजना के अर्न्तगत जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र लालकुआं के विकासखण्ड हल्द्वानी में विजयपुर-पहाड़पानी पैदल मार्ग के सुधारीकरण हेतु 3.87 करोड़, जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में मौनपोखरी से हरेश्वर मंदिर तक सड़क के सुधारीकरण/डामरीकरण किये जाने हेतु 9.87 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जानें के साथ ही जनपद नैनीताल में राज्य योजना के अर्न्तगत विधानसभा रामनगर में राज्य मार्ग रामनगर-कालाढूंगी-हल्द्वानी-काठगोदाम-चोरगलिया-सितारगंज-बिजटी के किमी 06 से हनुमानधाम मंदिर मोटर मार्ग का सुदृढीकरण किये जाने हेतु 4.06 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

भारत का डिफेंस प्रोडक्शन 1.78 लाख करोड़ रु. हुआ

एक साल में 15.6% बढ़ा, रक्षा मंत्रालय ने हथियारों की सफलता के बारे में भी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का सालाना डिफेंस प्रोडक्शन 2025-2026 में 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह 2024-2025 के 1.54 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 15.6% बढ़ा है। वहीं, साल 2020-2021 (84,643 करोड़ रुपये) के मुकाबले इसमें 110% का भारी उछाल आया है। वित्तीय वर्ष 2013-2014 में देश का स्वदेशी रक्षा उत्पादन 43,746 करोड़ था, जो अब करीब चार गुना बढ़ चुका है। पीएम मोदी ने भी एक्स (X) पर लिखा कि

पिछले 12 सालों में आत्मनिर्भरता, तकनीक, इनोवेशन और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग के दम पर भारत के रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आया है। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय ने रक्षा सौदों के साथ भारत के प्रमुख हथियारों की सफलता के बारे में भी बताया। भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है, जिनमें अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली व कल्पुर्जे बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं। अर्मेनिया जैसे देश पूरे तैयार हथियार खरीद रहे। सरकार ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है। 2016-17 में यह मात्र 1,522 करोड़ रुपए था। यानी एक दशक से कम समय में इसमें 25 गुना से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिले वैश्विक ध्यान ने इस लक्ष्य को और तेज गति देने के संकेत दिए हैं।

पिथौरागढ़ की मानसी कापड़ी बनी युवा उद्यमिता की नई पहचान

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : कहते हैं कि जब हौसले बुलंद हों और आगे बढ़ने की चाह हो, तो हर मंजिल आसान लगने लगती है।

इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है पिथौरागढ़ के लक्ष्मण सिंह महार राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की बीबीए छात्रा मानसी कापड़ी ने, जिन्होंने अपनी कला को केवल शौक तक सीमित न रखकर उसे एक सफल उद्यम में बदलने की दिशा में उल्लेखनीय कदम बढ़ाए हैं।मानसी की उद्यमिता यात्रा वर्ष 2024 में उस समय शुरू हुई जब उन्होंने उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद के सहयोग से संचालित महत्वाकांक्षी देवभूमि उद्यमिता योजना के द्विदिवसीय बूटकैंप में भाग लिया। वर्ष 2023 से राज्य के 119 राजकीय महाविद्यालयों एवं 5 विश्वविद्यालयों में संचालित यह योजना कॉलेज परिसरों को नवाचार एवं उद्यमिता के केंद्र के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है।

देवभूमि उद्यमिता योजना के माध्यम से पारंपरिक कला को बनाया रोजगार का साधन

बचपन से ही उत्तराखण्ड की पारंपरिक ऐपन कला में रुचि रखने वाली मानसी सुंदर ऐपन डिजाइन तैयार करती थीं। हालांकि, उस समय तक यह केवल उनका शौक था।

देवभूमि उद्यमिता योजना बूटकैंप के दौरान उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि कैसे किसी कला, हुनर या रुचि को व्यवसायिक रूप देकर रोजगार का माध्यम बनाया जा सकता है। बूटकैंप में मानसी ने अपने ऐपन कार्य को एक व्यवसायिक विचार के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने बिजनेस मॉडल कैनवास की सहायता से अपने उद्यम की रूपरेखा तैयार की और निर्णायकों के समक्ष प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उनके नवाचारी विचार और स्पष्ट दृष्टिकोण को देखते हुए उनका चयन 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए हुआ।

इस प्रशिक्षण के दौरान मानसी ने ब्रांडिंग, पैकेजिंग, लेबलिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की उपलब्धता, उद्यम आधार पंजीकरण, विपणन प्रबंधन तथा व्यवसाय संचालन के विभिन्न पहलुओं की गहन जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण से मिली सीख और अपनी मेंटर के मार्गदर्शन पर उन्होंने अपना उद्यम प्रारम्भ किया। मानसी के प्रयासों को उस समय बड़ी पहचान मिली जब फरवरी 2025 में आयोजित देवभूमि उद्यमिता स्टार्टअप मेगा इवेंट में उनके उद्यम को 75,000 का सीड फंड प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहायता का उपयोग उन्होंने अपने व्यवसाय के विस्तार, उत्पाद विकास और विपणन गतिविधियों में किया। आज मानसी का उद्यम पारंपरिक ऐपन कला को आधुनिक बाजार से जोड़ने का सफल प्रयास बन चुका है। वर्तमान में वह प्रतिवर्ष लगभग 80,000 मूल्य के ऐपन उत्पादों की बिक्री कर रही हैं और लगातार अपने ग्राहक आधार का विस्तार कर रही हैं। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर पहाड़ की बेटियां भी आत्मनिर्भरता और उद्यमिता की नई मिसाल कायम कर सकती हैं।

क्या है देवभूमि उद्यमिता योजना

उत्तराखंड के उच्च शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी देवभूमि उद्यमिता योजना राज्य के युवाओं में उद्यमिता की भावना विकसित करने और उन्हें रोजगार तलाशने वाले के बजाय रोजगार सृजित करने वाला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सितंबर 2023 में शुरू की गई यह पांच वर्षीय योजना उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से संचालित की जा रही है। योजना के तहत राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों को नवाचार और उद्यमिता के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत कृषि, हस्तशिल्प, विनिर्माण, आयुष एवं अरोमा, पर्यटन, एग्रो-प्रोसेसिंग, हेरिटेज मैनेजमेंट, लॉजिस्टिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा सहित 12 प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार आधारित उद्यमों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। योजना के तहत विद्यार्थियों को ओरिएंटेशन कार्यक्रम, बूटकैंप, उद्यमिता विकास प्रशिक्षण, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, बाजार संपर्क, ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग सहायता तथा सीड फंडिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सरकार का लक्ष्य युवाओं को रोजगार सृजित करने वाला बनाना

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को केवल रोजगार प्राप्त करने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाना है। इसी क्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में उद्यमिता की संस्कृति विकसित की जा रही है। विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित उद्यमों को बढ़ावा देकर हम रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं, जिससे पलायन की समस्या को कम करने में भी मदद मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

विमलेंद्र आत्महत्या केस में प्रापर्टी डीलर व पड़ोसी पर केस दर्ज

रुद्रपुर। वीर विमलेंद्र सिंह पुत्र ओमप्रकाश निवासी किशनपुर किच्छा की आत्महत्या मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। विमलेंद्र की पत्नी भावना ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसके पति वीर विमलेन्द्र सिंह की किशनपुर में कृषि भूमि है। विमलेंद्र कुछ दिन से परेशान चल रहा था। भावना के पूछने पर विमलेंद्र ने आरोप लगाया कि उसे भूमाफिया राजीव आहूजा पुत्र कृष्ण लाल आहूजा निवासी आवास विकास किच्छा और आशीष नागपाल उर्फ आशु पुत्र वेदप्रकाश जबरन भूमि उन्हें बेचने के लिए दबाव बना कर परेशान कर रहे है। उसके विरोध करने पर वह दबंगई के बलपर भूमि पर कब्जा करने और पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दे रहे है।भावना ने आरोप लगाया कि पड़ोस की भूमि की मालकिन अनुराधा पुत्री मानवेंद्र सिंह भी विमलेंद्र पर झूठे मुकदमे कर कानूनी शिकंजे में फंसाने की लगातार धमकी दे रही थी। आरोप है कि विमलेंद्र ने भावना को बताया था कि अनुराधा ने उसके पीछे गुंडे लगा रखे है। जिसके कारण वह दहशत में है। इसके चलते 5 जून शाम साढ़े सात बजे विमलेंद्र की तबियत खराब हो गयी। जिसके कारण उसे रुद्रपुर के निजी अस्पताल ले जाया गया। यहां विमलेंद्र ने बताया कि उसने नशीला पदार्थ खा लिया है। यहां उसे राममूर्ति अस्पताल भोजीपुरा रैफर किया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। भावना ने आरोप लगाया कि उसके पति विमलेंद्र को भूमाफिया राजीव आहूजा, आशीष नागपाल व अनुराधा ने अत्याधिक मानसिक तनाव दिया और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए संपत्ति को दबंगई के बल पर कब्जा करने की धमकी दी। जिससे दबाव में आकर विमलेंद्र ने जहर खा लिया। कोतवाल रवि कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

महिला कांग्रेस ने गौला नदी में स्थाई सुरक्षा दीवार बनाने की मांग उठाई

हल्द्वानी। बिन्दुखत्ता के रावतनगर क्षेत्र में गौला नदी के बढ़ते कटाव से परेशान ग्रामीणों के समर्थन में महिला कांग्रेस ने बुधवार को वनदेवी मंदिर परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों और महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गौला नदी के किनारे स्थायी सुरक्षा दीवार (तटबंध) बनाने की मांग उठाई। एक माह के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के कार्यालयों का घेराव करने की चेतावनी दी। इस दौरान लालकुआं तहसील के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। धरने को संबोधित करते हुए किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव हेमवती नंदन दुर्गापाल, महिला कांग्रेस की कार्यकारी जिला अध्यक्ष और कुमाऊंमंडल प्रभारी जया कर्नाटक ने कहा कि गौला नदी में डायवर्जन और चैनलाइजेशन के नाम पर कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन इससे ग्रामीणों को कोई स्थायी राहत नहीं मिल रही है। उन्होंने मांग की है कि इन्द्रानगर हाटा ग्राम से खुरियाखत्ता, शीशम भुजिया होते हुए श्रीलंका टापू तक सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि गौला नदी का कटाव लगातार बढ़ रहा है और इससे क्षेत्र के अनेक परिवार प्रभावित हो रहे हैं। वर्षों से अस्थायी कार्यों पर धन खर्च किया जा रहा है, जबकि स्थायी समाधान की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा। कार्यक्रम के अंत में प्रदर्शनकारियों ने वन क्षेत्राधिकारी चंदन सिंह अधिकारी और एसडीएम लालकुआं को ज्ञापन दिया गया।

बाजपुर के होटल में देह व्यापार का भंडाफोड़, दो महिलाओं समेत तीन गिरफ्तार

काशीपुर। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने पुलिस के साथ मिलकर बुधवार को नैनीताल रोड स्थित कॉर्बेट इन होटल में छापेमारी की। टीम ने देह व्यापार के आरोपी में एक युवती समेत दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। एएचटीयू प्रभारी संगीता चंद के नेतृत्व में टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नैनीताल रोड स्थित कार्बेट इन होटल में अनैतिक देह व्यापार का धंधा संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर होटल में छापा मारा। टीम को देख कुछ युवतियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद महिला पुलिसकर्मियों ने दौड़कर उन्हें पकड़ लिया। कुछ दिन पूर्व इस होटल में स्थानीय लोगों ने हंगामा कर अनैतिक कार्यों को तुरंत बंद करने की मांग की थी। प्रभारी संगीता चंद ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई की गई है और होटल को सील कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जो भी अनैतिक कार्य कर रहे हैं उन पर कार्रवाई होगी। टीम में सुरेश गिरी, गीता जोशी, प्रकाश आदि मौजूद रहे।

वंचित छात्र-छात्राओं की दोबारा कराई जाए परीक्षा

काशीपुर। राधेहरि डिग्री कॉलेज में कॉलेज प्रशासन की लापरवाही के चलते छात्र-छात्राओं को परीक्षा से वंचित रहने के मामले में छात्रसंघ अध्यक्ष ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। बुधवार को छात्रसंघ अध्यक्ष जतिन शर्मा के नेतृत्व में छात्रों ने एसडीएम अभय प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा। कहा कि मंगलवार को महाविद्यालय में छठे सेमेस्टर की परीक्षा थी। इसमें कई छात्र-छात्राओं के समय से आने के बावजूद जबरन परीक्षा से बाहर निकाल दिया गया। इसके चलते कई छात्र-छात्राओं की परीक्षा छुट गई, जिसकी जिम्मेदारी महाविद्यालय की थी। छात्र-छात्राओं के पास परीक्षा आवेदन पत्र भी था। कहा कि पोर्टल पर छात्र-छात्राओं का परीक्षा आवेदन पत्र नहीं आ रहा था। जबकि उनके द्वारा परीक्षा का शुल्क भी जमा किया गया था।

सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार उत्तराखंड सचिवालय संघ के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग कर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड सचिवालय संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दीपक जोशी, उपाध्यक्ष राकेश जोशी एवं संजय कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रमिला टम्टा, महासचिव राजेन्द्र रतूड़ी, सचिव अतुल कुमार सिंह, संयुक्त सचिव दिव्यांशु डोभाल एवं सुरेन्द्र सिंह रावत, संप्रेक्षक श्रीमती रीना मखनवाल, कोषाध्यक्ष रमेश सिंह बर्त्वाल, प्रचार सचिव दीपक बिष्ट सहित समस्त नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सचिवालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि प्रदेश की शासन व्यवस्था की आत्मा और जनविश्वास का प्रमुख केंद्र है। यहीं से नीतियों का निर्माण होता है, जनकल्याणकारी योजनाओं को दिशा मिलती है और प्रदेश के विकास की रूपरेखा तैयार होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी विकसित उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण सहभागी है। सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों और योजनाओं को धरातल पर उतारने तथा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में सचिवालय परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सचिवालय के अधिकारी और कर्मचारी शासन एवं जनता के बीच विश्वास के मजबूत सेतु के रूप में कार्य करते हैं। उनकी कार्यकुशलता, कर्मनिष्ठा और समर्पण से सरकार की योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि एक मजबूत, प्रेरित और संतुष्ट कर्मचारी तंत्र सुशासन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। शासन और कर्मचारी जब टीम भावना के साथ कार्य करते हैं तो विकास कार्यों को गति मिलती है और जनता का विश्वास शासन व्यवस्था पर और अधिक मजबूत होता है।

ढोल-दमाऊं के साथ कलक्ट्रेट परिसर में होगा धरना

उत्तरकाशी। नगर पालिका क्षेत्र के कालेश्वर और जोशियाड़ा वार्डों में वर्षों से बनी जलभराव की समस्या पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। वार्ड के लोगों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सात दिनों के भीतर समस्या के समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वे कलक्ट्रेट परिसर में ढोल-दमाऊं के साथ धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे। बुधवार को बड़ी संख्या में जोशियाड़ा क्षेत्र के लोग कलक्ट्रेट पहुंचे और भटवाड़ी के एसडीएम से मुलाकात कर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मानसून का मौसम सिर पर है लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। कहा कि कि बरसात के दौरान नालियों का पानी और वर्षा जल घरों में घुस जाता है, जिससे घरेलू सामान को भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही आम जनजीवन प्रभावित हो जाता है। सभासद सुनीता नेगी, आशीष नेगी, कुसुम भंडारी, भूरी देवी सहित अन्य लोगों ने कहा कि शासन स्तर से सिंचाई विभाग की डीपीआर को स्वीकृति मिल चुकी है, इसके बावजूद सिंचाई विभाग और नगर पालिका निर्माण कार्य शुरू करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय उदासीनता के कारण वार्ड के लोगों को हर वर्ष जलभराव की समस्या झेलने को मजबूर हैं। उन्होंने ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समयावधि में कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई तो जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

बकाया भुगतान के लिए कंपनी के खिलाफ श्रमिकों का प्रदर्शन

विकासनगर। बकाया भुगतान किए बिना कंपनी को दिल्ली स्थानांतरित करने के प्रयास के विरोध में श्रमिकों ने बुधवार को सेलाकुई स्थित एजीआई ग्रीन पैक लिमिटेड के गेट पर धरना-प्रदर्शन किया। नाराज कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनका पूरा बकाया नहीं चुकाया जाएगा, तब तक कंपनी से एक भी मशीन या सामान बाहर नहीं जाने दिया जाएगा।सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों के शोषण के आरोप एक बार फिर सामने आए हैं। वेतन वृद्धि, निर्धारित कार्य अवधि और ओवरटाइम भुगतान जैसी मांगों को लेकर यहां पहले भी कई बार आंदोलन हो चुके हैं। ताजा मामले में एजीआई ग्रीन पैक लिमिटेड के कर्मचारियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

देशी शराब के साथ पकड़ा गया आरोपी दोषी करार

विकासनगर। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय, विकासनगर में विचाराधीन मामले में आरोपी विक्रांत को 53 पव्वे देशी शराब के साथ पकड़े जाने के मामले में दोषी करार दिया गया है।न्यायालय में सुनवाई के दौरान अभियुक्त विक्रांत उपस्थित हुआ। आरोपी ने जुर्म स्वीकार करने का प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया। इसमें कहा गया कि अभियुक्त आर्थिक रूप से कमजोर है और मुकदमे की पैरवी करने में असमर्थ है। साथ ही अदालत से कम से कम दंड देने की गुहार लगाई गई। आरोपी को 23 अगस्त 2023 को रात हरबर्टपुर रोड, विकासनगर क्षेत्र से पुलिस ने गिरफ्तार किया था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 53 पव्वे देशी शराब बरामद हुई थी। अदालत में अभियुक्त ने स्वेच्छा से अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। इसके जिसके बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया। दोषी को कोर्ट उठने तक की सजा और पांच हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई।

हिंसा, जातिवाद पर यूकेडी युवा प्रकोष्ठ का हमला

बागेश्वर। उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) युवा प्रकोष्ठ ने प्रदेश में बढ़ती हिंसक घटनाओं, सामाजिक विभाजन और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत दिए जा रहे बयानों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। टिहरी के केतन लाल प्रकरण से जुड़े युवक की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा करते हुए संगठन ने इसे दुखद और अमानवीय घटना बताया। यहां पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भारत का अभिन्न अंग है और देवभूमि में देश के सभी नागरिकों का स्वागत है, लेकिन हथियारों का प्रदर्शन कर स्थानीय लोगों को भयभीत करने, दबाव बनाने अथवा उत्तराखंड की शांतिप्रिय संस्कृति को चुनौती देने का प्रयास स्वीकार्य नहीं है।

प्रभारी मंत्री राम सिंह कैड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवान के रूप में प्रस्तुत करने वाले बयान का भी विरोध किया। कहा कि भारत में सर्वोच्च स्थान संविधान का है और कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही बड़ा पद क्यों न रखता हो, संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। राज्य बने 25 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन आज भी पहाड़ का आम नागरिक दो वक्त की रोटी को तरस रहा है। कांडा और कपकोट में 15-20 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीलेवल कार पार्किंग बनाने की योजनाएं इसका उदाहरण है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बांटे जा रहे घटिया राशन : मोर्चा

विकासनगर। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित किए जा रहे टेक होम राशन की गुणवत्ता को लेकर जन संघर्ष मोर्चा ने गंभीर सवाल उठाए हैं। मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी केंद्रों को घटिया और एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।विकासनगर में बुधवार को पत्रकार वार्ता में नेगी ने कहा कि केंद्रीय भंडार, मसूरी के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में दलिया, सत्तू, कुक्ड फूड, बाल भोग और हलवा जैसी सामग्री भेजी जा रही है, जिसे गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों में वितरित किया जाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता इतनी खराब है कि लाभार्थी इनका उपयोग करने से कतरा रहे हैं और कई केंद्रों में यह सामग्री खराब होकर सड़ रही है। मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि यह केवल संगठन का आरोप नहीं है, बल्कि जिन लाभार्थियों को यह राशन मिल रहा है उनसे इसकी वास्तविक स्थिति जानी जा सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कब तक गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के साथ इस तरह का खिलवाड़ होता रहेगा।

सांसद भट्ट ने हल्द्वानी आवास में सुनी जन समस्याएं

हल्द्वानी। सांसद अजय भट्ट ने बुधवार को बच्ची नगर स्थित आवास में जन समस्याएं सुनी। अधिकारियों से वार्ता कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सांसद भट्ट ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रत्येक नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास, जनकल्याण व सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए भट्ट ने कहा कि लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक की समस्याओं के समाधान के लिए वह सदैव उपलब्ध हैं।

ऑपरेशन प्रहार: 56 वाहनों के चालान, 10 वाहन सीज

हुड़दंग मचाने वाले 11 युवकों पर भी कार्रवाई

विकासनगर। ऑपरेशन प्रहार के तहत विकासनगर पुलिस ने मंगलवार रात सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 56 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही दस वाहनों को सीज कर दिया। हुडदंग मचाने वाले 11 युवकों पर भी कार्रवाई की गई।कोतवाल राजीव रौथाण ने बताया कि विकासनगर क्षेत्र के विभिन्न धार्मिक स्थलों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों पर लगातार चेकिंग की जा रही है। ताकि आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। बताया कि मंगलवार देर रात अलग-अलग स्थानों पर विशेष अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान रेस ड्राइविंग, ट्रिपल राइडिंग, काली फिल्म, बिना हेलमेट, मॉडिफाइड साइलेंसर और शराब पीकर वाहन चलाने जैसे मामलों में कार्रवाई की गई। कुल 56 वाहनों के खिलाफ चालान किए गए, जिनमें 10 वाहनों को सीज किया गया, 33 वाहनों के कोर्ट चालान किए गए, जबकि 13 का मौके पर चालान किए गए। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग मचाने वाले 11 युवकों के खिलाफ भी धारा 81 पुलिस अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

दूरसंचार सेवाओं पर डीएम की सख्ती, तीन माह में 4जी टॉवर लगाने और नेटवर्क सुधार के निर्देश

बागेश्वर। जनपद में दूरसंचार सेवाओं की बदहाल स्थिति और ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने दूरसंचार विभाग तथा निजी कंपनियों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समयसीमा के भीतर नेटवर्क व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि संचार सेवाएं आम जनता की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी हैं, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला टेलीकॉम समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने भारत नेट परियोजना, मोबाइल नेटवर्क विस्तार तथा दूरसंचार सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने भारत नेट परियोजना के अंतर्गत कपकोट क्षेत्र में लंबित कार्यों को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही बीएसएनएल अधिकारियों को भनार, बैसानी, बड़ेत, कन्यालिकोट और पौसारी क्षेत्रों में प्रस्तावित 4जी टॉवरों की स्थापना का कार्य आगामी तीन माह के भीतर पूरा करने को कहा।

जिलाधिकारी ने चोरखड़क क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क विस्तार के लिए तहसील प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर सर्वेक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से लगातार प्राप्त हो रही खराब नेटवर्क की शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित जेटीओ से तीन दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की। साथ ही नेटवर्क बाधित रहने के कारणों का पता लगाकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा, जिससे आम नागरिकों को बेहतर संचार सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बैठक में जिलाधिकारी ने जियो, एयरटेल तथा अन्य निजी दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों को भी निर्देशित किया कि वे जनपद के दूरस्थ और नेटवर्क विहीन क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर वहां मोबाइल टॉवर स्थापित करने की संभावनाओं का परीक्षण करें। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत संचार नेटवर्क से जोड़ना प्रशासन की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर जेटीओ गौरव तड़ागी ने जानकारी दी कि भारत नेट परियोजना के द्वितीय चरण के अंतर्गत कपकोट विकासखंड की 119 ग्राम पंचायतों के लिए कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं, जिससे क्षेत्र में डिजिटल कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छ वातावरण और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड पाबौ के खुड्डेश्वर मैदान में स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवनेशन अथॉरिटी (सारा) की पहल पर एक दिवसीय जिला स्तरीय जल उत्सव-2026 आयोजित हुआ। इस मौके पर पारंपरिक जलस्त्रोतों, नदियों, गाड-गदेरे, नौले और धारे के संरक्षण पर जोर दिया गया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने खुड्डेश्वर मैदान के समीप पौधरोपण कर स्वच्छता अभियान में श्रमदान किया। कहा कि स्वच्छ वातावरण और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अधिक से अधिक पौधरोपण से ही जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं। उन्होंने लोगों से पौधरोपण करने व स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।कार्यक्रम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बदलती जलवायु परिस्थितियों और बढ़ती जल आवश्यकताओं को देखते हुए जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए सारा की भूमिका को अहम बताया। कहा कि राज्य के पारंपरिक जल स्त्रोत, नदियां, गाड-गदेरे, नौले और धारे राज्य की महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपदा हैं। राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों, महिला समूहों और युवाओं की भागीदारी से इन प्रयासों को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, सीडीओ अशोक जोशी, संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात, डीडीओ मनविंदर कौर, उप निदेशक सारा अजय कुमार सोनकर आदि मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 11 में प्रवेश के लिए करें आवेदन

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खैरासैंण पौड़ी गढ़वाल में सत्र 2026-27 में कक्षा 11 में रिक्त स्थानों के लिए मेरिट के आधार पर छात्रों का चयन किया जायेगा। इच्छुक छात्र 25 जून 2026 तक आवेदन कर सकते है। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि शैक्षिक सत्र 2026-27 के अन्तर्गत कक्षा 11 में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं जिनके माता-पिता जनपद पौड़ी गढ़वाल के बोनाफाइड निवासी हो के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय, खैरासैण में कक्षा 11 में रिक्त स्थानों पर मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी पूर्णरूप से भरा हुआ आवेदन पत्र, कक्षा 10 की अंकतालिका एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज विद्यालय में व्यक्तिगत रूप अथवा विद्यालय की ई मेल के माध्यम से 25 जून 2026 तक या इससे पूर्व जमा कर सकते है। सीबीएसई से कक्षा-10 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी। आवेदन पत्र वेबसाइड से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा विद्यालय की ई-मेल पर प्रार्थना पत्र भेजने पर उसी मेल में आवेदन पत्र प्रेषित कर दिया जायेगा। अभ्यर्थी आवेदन पत्र भरने से पूर्व आवेदन के लिए पात्रता की जांच वेबसाइड पर अवश्य कर लें।

एससी-एसटी शिक्षक एसोसिएशन ने 23 जून को सचिवालय घेराव की दी चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अनुसूचित जाति एवं जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने विभिन्न मांगों को लेकर 23 जून को सचिवालय घेराव करने की घोषणा की है। संगठन ने इरशाद हुसैन की रिपोर्ट सार्वजनिक किए जाने सहित कई मुद्दों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सोहन लाल ने बताया कि संगठन अपनी 19 सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलनरत है, लेकिन अब तक शासन-प्रशासन द्वारा उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 से अनुसूचित जाति एवं जनजाति के शिक्षकों की पदोन्नति पर रोक लगी हुई है, जिसके चलते उच्च पदों पर इन वर्गों का प्रतिनिधित्व लगातार कम होता जा रहा है। यह स्थिति सामाजिक न्याय और संविधान की भावना के विपरीत है। डॉ. सोहन लाल ने संगठन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से 23 जून के सचिवालय घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

गढ़वाल केंद्रीय विवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 12 जुलाई को

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा अब 12 जुलाई को आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर परीक्षा तिथि को अंतिम रूप दे दिया है। इससे पहले 16 मई को विश्वविद्यालय ने प्रवेश परीक्षा को अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दिया था।

गढ़वाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वाई.पी. रैवानी ने बताया कि सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद पीएचडी प्रवेश परीक्षा 12 जुलाई को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त अभ्यावेदनों और अभ्यर्थियों की मांग को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया को पुनः खोलने का फैसला किया है। इसके तहत समर्थ पोर्टल 22 एवं 23 जून को दो दिनों के लिए पुनः सक्रिय रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी इस अवधि में अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद आवेदन तिथि बढ़ाने संबंधी किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार केवल वही अभ्यर्थी पीएचडी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र होंगे, जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2024-25 तक अपनी न्यूनतम अर्हता परीक्षा अथवा संबंधित डिग्री पूर्ण कर ली हो। वहीं शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को वर्तमान प्रवेश प्रक्रिया में पात्र नहीं माना जाएगा।

22 जून को मणिगुह में लगेगा बहुउद्देशीय जनकल्याणकारी शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में जनसामान्य को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से 22 जून 2026 को राजकीय इंटर कॉलेज, मणिगुह (तहसील रुद्रप्रयाग) में प्रातः 11 बजे से बहुउद्देशीय' जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत करेंगे। शिविर के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण भी किया जाएगा। केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, आयुष्मान वय वंदना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, लखपति दीदी एवं वीबी-जी राम सहित अन्य योजनाओं के लिए पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मजबूरी का उठा रहे फायदा, दोगुना वसूल रहे किराया

कोटद्वार बस अड्डे में वाहन के इंतजार में खड़े यात्री

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद बड़ी संख्या में प्रवासी पहाड़ का रूख कर रहे हैं। यही कारण है कि इन दिनों पहाड़ी रूटों पर यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया है। लेकिन, गढ़वाल मोटर्स आनर्स यूनियन (जीएमओयू) की अधिकांश बसों के यात्रा रूट पर जाने से व्यवस्था बेपटरी हो गई है।

पहाड़ी रूट में कुछ मैक्स व निजी वाहन चालक दिखा रहे मनमानी

नतीजा पहाड़ों के लिए समय से वाहन नहीं मिल पा रहे है। यात्रियों की इस मजबूरी का फायदा मैक्स व टैक्सी चालक खूब उठा रहे हैं। हालात यह हैं कि सतपुली जाने के लिए पौड़ी तक का किराया वसूला जा रहा है।

जीएमओयू को गढ़वाल की रीढ़ कहा जाता है। जीएमओयू हर दूरस्थ गांव को बेहतर यातायात से जोड़ता है। लेकिन, इन दिनों जीएमओयू की अधिकांश बसें चारधाम यात्रा पर गई हुई हैं। नतीजा पहाड़ के लिए लोगों को समय पर वाहन नहीं मिल पा रहे हैं। इस स्थिति में कुछ मैक्स चालक पूरी जिम्मेदारी से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। जबकि, कई ऐसे भी हो जो यात्रियों की इस मजबूरी का फायदा उठाते हुए चार गुना तक किराया वसूल रहे हैं। कोटद्वार से मात्र 15 किलोमीटर दूर दुगड्डा तक जाने वाले यात्रियों से महंगा किराया वसूल रहे हैं। यहीं नहीं, सतपुली जाने वाले यात्रियों से 500 रुपये तक किराया वसूला जा रहा है। यदि कोई यात्री किराया बढ़ोत्तरी का विरोध करता है तो उसे वाहन चालक आधे रास्ते में ही उतार रहे हैं। मैक्स व टैक्सी चालक कोटद्वार स्टैंड में खुलेआम रूट का दो गुना किराया बताते हुए आसानी से सुने भी जा सकते हैं। किराया देने की स्थिति में ही यात्री को वाहन में बिठाया जा रहा है।

लगातार बढ़ रही भीड़

मैदान में लगातार बढ़ रही गर्मी व बच्चों के स्कूल की छुट्टियों के बाद अधिकांश परिवार पहाड़ चढ़ रहे हैं। लेकिन, समय से वाहन नहीं मिलने के कारण उन्हें परेशान हो रही है। सुबह दो बजे से ही पहाड़ी रूट पर जाने वाले यात्री इधर-उधर वाहन की तलाश में भटकते हुए आसानी से देखे जा सकते हैं। यही नहीं, निजी कार चालक भी यात्रियों की मजबूरी का खूब फायदा उठा रहे हैं। कई यात्रियों ने शासन-प्रशासन से वाहन चालकों की मनमर्जी पर लगाम लगवाने की मांग की है। कहा कि वाहन में किराया सूची चस्पा की जानी चाहिए। यदि कोई भी चालक अधिक किराया वसूलता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सेवा सप्ताह के तहत रोटरी क्लब ने गौसेवा का दिया संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब के स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत चल रहे सेवा सप्ताह के दौरान क्लब के सदस्यों ने गौलोकधाम सेवा संस्थान पहुंचकर गौवंश को हरा चारा, गुड़ और चोकर खिलाकर गौसेवा की। कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब के अध्यक्ष ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौवंश को हरा चारा खिलाना एक पुण्य का कार्य है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गौसेवा के लिए आगे आना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब के सदस्यों ने सेवा भाव के साथ गौवंश की देखभाल में सहभागिता की और गौसेवा को सामाजिक जिम्मेदारी बताया। इस मौके पर विजय कुमार, डीपी सिंह, मनीष अग्रवाल, विजय कुमार माहेश्वरी, जसपाल सिंह रावत, गोपाल बंसल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बाजारों में लौटी रौनक, व्यापारियों के चेहरे खिले

श्रीनगर गढ़वाल : करीब एक माह तक चले मलमास के समाप्त होने के साथ ही श्रीनगर के बाजारों में एक बार फिर चहल-पहल लौट आई है। मांगलिक कार्यों की शुरुआत होते ही लोग खरीदारी के लिए बाजारों का रुख कर रहे हैं।

शहर के प्रमुख बाजारों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ने से व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे हैं। बुधवार को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग, गोला बाजार, गणेश बाजार, काला रोड और सब्जी मंडी में सुबह से ही खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही बनी रही। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग श्रीनगर पहुंचे और खरीदारी की। व्यापारी बिन्नू, परवेज, दीपक अग्रवाल, राजीव वर्मा और शार्दुल शाह ने बताया कि मलमास समाप्त होने के बाद बाजार में ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक महीने तक मांगलिक कार्यों पर विराम रहने के कारण व्यापार भी प्रभावित रहा लेकिन अब शादियां, मुंडन, यज्ञोपवीत संस्कार और अन्य धार्मिक आयोजनों की तैयारियां शुरू होने से बाजार में रौनक लौट आई है। बाजार में लोग पूजन सामग्री, फर्नीचर, बर्तन, कपड़े, सराफा और इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी करते नजर आए। वहीं सब्जी मंडी भी पूरे दिन ग्राहकों से गुलजार रही। लोग विभिन्न पारिवारिक आयोजनों के लिए सब्जियां और पूजा-पाठ के लिए फल खरीदते दिखाई दिए। व्यापारियों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में इसी तरह ग्राहकों की आवाजाही बनी रही तो लंबे समय से सुस्त पड़े व्यापार को नई गति मिलेगी। कुल मिलाकर मलमास की समाप्ति के साथ श्रीनगर का बाजार एक बार फिर रंगत में नजर आने लगा है। (एजेंसी)

बहुउद्देशीय शिविर में दिव्यांगजनों को मिले सहायक उपकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पदामपुर मोटाढाक क्षेत्र में समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित कार्यशाला/बहुउद्देशीय शिविर में दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण वितरित किए गए। इस दौरान दिव्यांगों को सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

शिविर का आयोजन राजकीय प्राथमिक विद्यालय पदमपुर में किया गया। इस दौरान भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) कोटद्वार इकाई द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व योजना के तहत समाज कल्याण विभाग को 100 सामान्य व्हील चेयर तथा 10 इलेक्ट्रिक व्हील चेयर उपलब्ध कराई गईं। शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड से संबंधित सेवाएं, छड़ी, बैसाखी तथा अन्य सहायक उपकरण भी लाभार्थियों को प्रदान किए गए। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ा। मुख्य अतिथि ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि इस प्रकार की पहल दिव्यांगजनों के जीवन को सुगम, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने में

कार्यक्रम में दिव्यांगों को उपकरण वितरित करती विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण

महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि सरकार और सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाई जा रही है। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित दुब्रियाल, संजीव पाल, सक्षम संस्था के योगंबर सिंह रावत, बीईएल के महाप्रबंधक अंबरीश त्रिपाठी, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष रावत, पार्षद सौरभ नौडियाल, अमित नेगी, जेपी बहुखण्डी, विवेक भारती, आराधना द्विवेदी, राजेंद्र जजेड़ी, महेश नेगी सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्कूल बंद करने के निर्णय पर रोष

तहसील में प्रशासन के माध्यम से शासन को ज्ञापन भेजते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : प्रखंड दुगड्डा के अंतर्गत राजकीय जूनियर हाईस्कूल स्यालिंगा को बंद किए जाने के निर्णय पर स्व. सरोजनी देवी लोक विकास समिति व ग्रामीण ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि पहाड़ में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर कार्य किया जाना चाहिए।

ग्रामीणों ने इस संबंध में तहसील पहुंचकर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। विकास समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि विद्यालय में छात्र संख्या भले ही कम हो, लेकिन यह पूर्णतः छात्र विहीन नहीं है। ऐसे में विद्यालय बंद होने से आसपास के बच्चों को कई किलोमीटर दूर पढ़ाई के लिए जाना पड़ेगा, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित हो सकती है। ग्रामीणों ने कहा कि यह विद्यालय क्षेत्र का एकमात्र शिक्षण संस्थान है, जहां गरीब परिवारों के बच्चे अध्ययनरत हैं। विद्यालय बंद होने से कई बच्चों के स्कूल छोड़ने की नौबत आ सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग द्वारा सत्र प्रारंभ होने के बाद विद्यालय बंद करने की सूचना दी गई, जबकि पहले ही वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए थी। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से विद्यालय को यथावत संचालित रखने की मांग की है। इस मौके पर गंभीर सिंह असवाल, सतेंद्र सिंह, नारायण सिंह नेगी, केसीराम निराला, प्रवीण सिंह, संजय, रवींद्र सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए किया जागरूक

श्रीनगर गढ़वाल : भक्तियाना स्थित एनआईटी पार्क में बुधवार को पौधरोपण व स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया। अभियान का आयोजन 12 साल विश्वास के, जनकल्याण के कार्यक्रम के तहत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आशा उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। अभियान को सफल बनाने में वन विभाग की टीम ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम में सूर्य प्रकाश नौटियाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता दोनों समाज की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। अधिक से अधिक पौधे लगाकर और उनकी देखभाल कर ही पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सकता है। इस अवसर पर दिनेश उनियाल, विजयलक्ष्मी रतूड़ी, प्रकाश सती, सुरेंद्र सिंह नेगी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। (एजेंसी)

स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की डेंगू से निपटने की तैयारियां

जिला अस्पताल में चार बेड का विशेष वार्ड तैयार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्यालय में डेंगू जैसी मच्छरजनित बीमारियों के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने रोकथाम और उपचार की तैयारियां तेज कर दी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। डेंगू की पहचान और उपचार के लिए आवश्यक दवाओं व जांच सुविधाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।

जिला अस्पताल में डेंगू मरीजों के उपचार के लिए चार बेड का विशेष वार्ड तैयार किया गया है। वार्ड में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे मरीजों की निगरानी और उपचार प्रभावी ढंग से किया जा सके। इसके अलावा डेंगू से संबंधित मामलों के लिए एक फिजीशियन की विशेष रूप से तैनाती की गई है, जो मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखेंगे। जिले में संभावित डेंगू मामलों से निपटने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जा सके। जिला अस्पताल के पीएमएस डॉ. एलडी सेमवाल ने बताया कि जिला मुख्यालय में पिछले दो वर्षों से डेंगू का कोई मामला सामने नहीं आया है। इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकीय संसाधनों और स्वास्थ्य कर्मियों को भी तैयार रखा गया है।

लोकगायिका करिश्मा शाह और रुहान भारद्वाज के गीतों पर थिरके दर्शक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जय कंडोलिया पौड़ी महोत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में लोकगायिका करिश्मा शाह और रुहान भारद्वाज के गीतों पर दर्शक देर रात तक थिरकते रहे। उन्होंने गढ़वाली, जौनसारी और पंजाबी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर पराज इंस्टीट्यूट ऑफ पैरा मेडिकल साइंस के कलाकारों ने नंदा राजजात पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जबकि भूमिका एंड डांस ग्रुप के कलाकारों ने आंछरी नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंगलवार को आयोजित सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष केसर सिंह नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि शहर के सांस्कृतिक उत्सवों को भविष्य में और बेहतर स्वरूप दिया जाएगा। साथ ही नगरवासियों से एकता के साथ नगर विकास में सहयोग और सुझाव देने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत करिश्मा शाह ने अपने लोकप्रिय गीत शिमले नि वसणा.. से की। इसके बाद 'बेडू पाको बारामासा..., अब लगालु मांडण..., फूल फूले यारो..., सोवनी काली चूड़ी कांच की..., डम-डम हुड़को बाजे खुट्टी रॉड़ गै... और जौनसारी गीत मेरी प्यारिए... की प्रस्तुति देकर युवाओं को थिरकने पर मजबूर कर दिया। वहीं रूहान भारद्वाज ने हे भोजी रंगीली भोजी..., भक्तु मामा कांशीराम..., पारे भीड़ा की घसेरी छोरी..., शिव गंगा न्योला..., चैता की चैत्वाली..., मोहना तेरी मुरली बाजे... और कनी साजली तेरी... समेत कई गढ़वाली और पंजाबी गीतों की दमदार प्रस्तुति दी। इससे पूर्व मंथन नृत्यालय के कलाकारों ने बाबा रे गोरिल कंडोलिया... की प्रस्तुति से कार्यक्रम का आगाज किया। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, गणेश खुगशाल गणी, डॉ. विंदेश्वर बलोदी सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

प्राकृतिक खेती और स्वच्छता पर दिया गया जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : केंद्र में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सतपुली में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान स्वच्छता अभियान भी चलाया गया, जिसमें ग्रामीणों ने नगर को स्वच्छ बनाए रखने में पूर्ण सहयोग देने की बात कही।कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री चंडी प्रसाद भट्ट ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के हित में अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका अधिक से अधिक लाभ सभी को लेना चाहिए। गोष्ठी में प्राकृतिक खेती पर विशेष चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में खेती को बढ़ावा देकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। इसके बाद दंगलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि

गया। उपस्थित लोगों ने स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास का संकल्प लिया। कार्यक्रम में भरसार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. अंशुमन सिंह, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक डुकलान, जिला महामंत्री महिपाल सिंह नेगी, जिला मंत्री बृजमोहन सिंह, कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी प्रवेंद्र कुमार, विकासखंड प्रभारी सुभाष चंद्र चौहान सहित कई लोग मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, कीओस्क, ब्रांडेड आउटलेट, फूड वैन, सैलून कीओस्क, मोबाइल स्टोर & कैंटीन के ठेकों को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ **website: www.ireps.gov.in** पर दिनांक 03.07.2026 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2087/26

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियंता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	85-DRM-MB-26-27 Dt : 16.06.2026
कार्य का नाम	Supplying & Loading, leading, unloading & stacking of 100000 cum machine crushed stone ballast of 65 mm gauge size as per Railway Specification including loading of ballast into Rly, Wagons/hippers at Pathri Sub Depot-A under Sr.DEN/Co./MB.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	09.07.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	11,48,68,000.00
धरोहर राशि	22,97,400.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	09 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	25.06.2026

टेन्डर न. Sr.DEN-C/Publication/26-27 दिनांक : 16.06.2026 2075/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. / Date	86-DRM-MB-26-27 dt. 16.06.2026		
Name of work : Jacketing of bridges including design & launching of PSC slabs and other allied works of bridges in c/w Replacement of steel girder of PSC slab at bridge no. 7, 38,39 (MB-CH), Br. No 106,121A (CH- ALJN) and Br. No. 20(JNPT-CH) & 6 on (RJK-SHTS) under Sr.DEN/HQ/MB			
Tender Closing Date Time	10.07.2026	Advertised Value (Rs.)	3,64,30,095.24
Earnest Money (Rs.)	7,28,600.00	Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	26.06.2026	Period of Completion	06 Month

पत्रांक-75-W/2/3/WA/Publication दिनांक 16.06.2026 2070/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

आत्महत्या की ओर बढ़ते कदम

क्या बोर्ड की परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त करना ही किसी छात्र की आत्म शक्ति का परिचायक हो सकता है? महेश अंकों के आधार पर भविष्य का सपना देखना और व्यवस्थाओं में खामियों के चलते उसे लक्ष्य तक न पहुंचना और आत्महत्या कर लेना क्या उचित कदम है? ऐसे ना जाने कितने ही अनगिनत मामले हमारे सामने हैं जिम परीक्षाओं में असफलता को छात्रों ने अपने जीवन से अधिक मान लिया। देहरादून की रिया कुमारी थापा भी इसी कड़ी की छात्रा है जिसकी मृत्यु ने केवल एक परिवार को नहीं तोड़ा है, बल्कि उस समूची व्यवस्था की संवेदनहीनता को भी उजागर कर दिया है, जो युवाओं के सपनों की संरक्षक होने का दावा करती है। 97.6% अंक प्राप्त करने वाली एक प्रतिभाशाली छात्रा, जिसने अपने भविष्य को संवारने के लिए वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग किया, अंततः उस अव्यवस्थित परीक्षा तंत्र की भेंट चढ़ गई जहाँ ईमानदार परिश्रम की कोई संस्थागत सुरक्षा शेष नहीं दिखाई देती। किसी भी राष्ट्र के लिए इससे बड़ी विफलता क्या हो सकती है, कि उसके युवा अपनी क्षमता से नहीं, बल्कि व्यवस्था की अक्षमताओं से पराजित होने लगें। पेपर लीक केवल प्रश्नपत्रों का लीक होना नहीं है, यह अवसरों का लीक होना है, विश्वास का लीक होना है, और उन लाखों परिवारों की आशाओं का लीक होना है जो अपने बच्चों की शिक्षा में अपना सर्वस्व लगा देते हैं। पीड़ादायक बात तो यह है कि जब ऐसी घटनाएँ घटती हैं, तब सत्ता के गलियारों में जवाबदेही नहीं, बल्कि बहाने सुनाई देते हैं। शासन का प्रथम दायित्व नागरिकों के भविष्य की रक्षा करना होता है, किंतु जब व्यवस्था स्वयं युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने लगे, तब यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं रह जाती, बल्कि नैतिक विफलता बन जाती है। छात्रों की मौत इस देश की राजनीति, प्रशासन और शिक्षा व्यवस्था के नाम एक ऐसा मौन प्रश्न है, जिसका उत्तर आँकड़ों, भाषणों और विज्ञापनों से नहीं दिया जा सकता। एक होनहार बेटी चली गई, लेकिन अपने पीछे वह प्रश्न छोड़ गई है, कि आखिर इस देश में युवाओं को अपने सपनों की कीमत और कितनी चुकानी होगी? अंतर मन के उतार–चढ़ाव से जूझ रहे छात्रों को यह जरूर चिंतन करना चाहिए कि परीक्षा में असफल होना जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर है। दुर्भाग्यवश, आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में अनेक छात्र परीक्षा में अपेक्षित परिणाम न मिलने पर निराशा और तनाव का शिकार हो जाते हैं। कुछ मामलों में यह तनाव इतना बढ़ जाता है कि छात्र आत्महत्या जैसा दुखद कदम उठा लेते हैं। केवल स्कूली शिक्षा को सफलता और असफलता के सीमित पैमाने पर मापा जाने लगा है। अच्छे अंक लाने का दबाव छात्रों पर परिवार, समाज और कभी–कभी स्वयं उनकी अपेक्षाओं के कारण बढ़ जाता है।छात्र आत्महत्या के पीछे केवल परीक्षा परिणाम ही कारण नहीं होते। मानसिक तनाव, अवसाद, अभिभावकों का अत्यधिक दबाव, साथियों से तुलना और भविष्य की चिंता भी महत्वपूर्ण कारण हैं। कई बार छात्र अपनी परेशानियां किसी से साझा नहीं कर पाते और अकेलेपन का अनुभव करते हैं। अभिभावकों को बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए। शिक्षकों को छात्रों को यह समझाना चाहिए कि परीक्षा जीवन का केवल एक हिस्सा है, पूरा जीवन नहीं। परीक्षा में असफलता क्षणिक हो सकती है, लेकिन जीवन अमूल्य है। छात्रों को यह समझना चाहिए कि हर कठिनाई का समाधान संभव है और हर नया दिन नई संभावनाएं लेकर आता है। समाज का दायित्व है कि वह छात्रों को ऐसा वातावरण प्रदान करे, जहां वे बिना भय और दबाव के अपने सपनों को पूरा कर सकें।

चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यतः उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा और व्यापक होना चाहिए। अनेक गरीब और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार ऐसे हैं जो किसी भी बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी की स्थिति में वे अपनी जीवनभर की जमा पूंजी गंवा देते हैं। स्वास्थ्य बीमा केवल अस्पताल में भर्ती होने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यक दवाओं और दीर्घकालिक उपचार को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। यह भी आवश्यक है कि सरकार समय-समय पर दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्र समीक्षा कराए। यदि वास्तव में लागत बढ़ी है तो उसका प्रमाण सार्वजनिक होना चाहिए। पारदर्शिता से जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और अनावश्यक मूल्यवृद्धि पर भी रोक लगेगी। स्वास्थ्य नीति का मूल उद्देश्य कंपनियों के लाभ और नागरिकों के अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करना होना चाहिए।

वर्ष 2047 का विकसित भारत केवल ऊंची इमारतों, तेज रफ्तार सड़कों और बढ़ती जीडीपी से नहीं बनेगा। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि वहां का सबसे गरीब नागरिक कितना सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय सम्मानपूर्वक इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास के दावे अधूरे रह जाएंगे। आज आवश्यकता केवल दवाइयों की कीमतों पर बहस करने की नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की समग्र समीक्षा करने की है। यह स्वीकार करना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि मौलिक मानवीय अधिकार है। जिस राष्ट्र में नागरिकों को स्वस्थ जीवन का अवसर नहीं मिलता, वहां विकास की चमक भी फीकी पड़ जाती है।

वेतन से आगे: विकसित भारत के लिए कुशल कार्यबल की तैयारी

डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम

कोयंबटूर में काम करने वाले युवा रवि को, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई में अपनी पहली औपचारिक नौकरी के छह महीने पूरे कर चुके हैं और हाल ही में अपनी मासिक तनख्वाह के अलावा उन्हें बैंक खाते में 7,500 रुपये मिले। लगातार छह महीने की नौकरी पूरी होने के बाद यह रकम अपने आप जारी कर दी गई। इससे पहले उनका परिवार सिर्फ. अनौपचारिक काम करता था, जिसमें कोई अनुबंध, भविष्य निधि में योगदान या नौकरी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं होता था। यह पहला मौका था, जब उनकी नौकरी को आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया और उन्हें इस तरह का लाभ मिला। रवि को मिली यह धनराशि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के 'भाग अ' के तहत मिली पहली किस्त है। इस योजना को केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रधानमंत्री के रोजगार और कौशल पैकेज के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया था। इस प्रावधान के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत कंपनियों में पहली बार नौकरी पाने वाले ऐसे कर्मचारी, जिनकी मासिक कमाई 1 लाख रुपये से कम है, उन्हें 15,000 रुपये तक का नकद प्रोत्साहन मिलता है। यह रकम दो किस्तों में दी जाती है: पहली किस्त लगातार छह महीने की नौकरी के बाद और दूसरी किस्त बारह महीने के बाद। इसके लिए शर्त यह है कि कर्मचारी को ईपीएफओ पोर्टल के जरिए वित्तीय साक्षरता का कोर्स पूरा करना होगा और यह राशि बचत के एक साधन में जमा की जाएगी, ताकि कर्मचारी को एक आर्थिक सुरक्षा मिल सके। रवि के लिए, ये छह महीने सिर्फ. योग्यता हासिल करने का समय नहीं थे। ये वो वक्त था, जिसमें उन्होंने अपने काम की जगह को समझा, अपने काम से जुड़ी बुनियादी कौशल और योग्यता सीखी और अपने लिए रोजगार का एक रिकॉर्ड बनाना शुरू किया, जो पहले कभी नहीं था। यह समय उनके नियोक्ता के लिए भी अहम था, जो एक छोटी विनिर्माण इकाई थी और उसने अपने विस्तार के तहत रवि को काम पर रखा था। पीएम-वीबीआरवाई के भाग इ में प्रावधान है कि जो नियोक्ता अपनी मौजूदा बेसलाइन से ज्यादा रोजगार पैदा करते हैं, उन्हें हर अतिरिक्त कर्मचारी के लिए हर महीने 3,000 रुपये तक का सरकारी योगदान मिलता है। यह योगदान अलग-अलग क्षेत्रों में दो साल तक और विनिर्माण क्षेत्र में चार साल तक मिलता है। यह योगदान उस शुरूआती लागत का कुछ हिस्सा कवर करता है, जो किसी कंपनी को नए कर्मचारी को रखने पर उठानी पड़ती है, खासकर तब जब ऑनबोर्डिंग और प्रशिक्षण चल रहा होता है और बिना किसी पिछले औपचारिक अनुभव वाला कर्मचारी, धीरे-धीरे कंपनी के लिए लाभप्रद हो रहा होता है। इस शुरूआती लागत को कम करके यह प्रावधान, योजना का दायरा रवि जैसे लोगों को काम पर रखने वाले छोटे व्यवसायों तक बढ़ाता है। उसकी जैसी विनिर्माण इकाईयों के लिए, चार साल की अवधि, जो सामान्य अवधि से दोगुनी है, कंपनियों को ऑटोमेशन में निवेश के साथ-साथ अपने कार्यबल का विस्तार करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। भारत की जनसांख्यिकीय व्यवस्था को देखते हुए, युवा और बढ़ता कार्यबल 2047 तक 'विकसित भारत' की ओर बढ़ने के लिए रोजगार-आधारित विकास के जरिए आर्थिक विकास को रफ्तार देने का एक मौका देता है। कार्यबल में शामिल होने वाले नए लोग किस सीमा तक औपचारिक रोजगार में आते हैं, जहाँ उन्हें सामाजिक सुरक्षा और संस्थागत सुरक्षा मिलती है, यह इस बात पर भी असर डालेगा कि परिवारों और समुदायों में विकास का लाभ कैसे मिलता है। पीएम-वीबीआरवाई का मकसद 'स्वतंत्र भारत' से 'समृद्ध भारत' तक के सफर को मजबूत करना है और दो साल में 3.5 करोड़ से ज्यादा औपचारिक नौकरियाँ पैदा करने के लिए प्रोत्साहन देना है। इस योजना की शुरूआत से, 60 लाख नए कर्मचारी औपचारिक कार्यबल का हिस्सा बन चुके हैं। इनमें से 43.26 लाख (लगभग 71%) 18 से 30 साल की उम्र के हैं और 18.04 लाख (लगभग 30%) महिलाएं हैं, जो पहली बार औपचारिक रोजगार से जुड़ी हैं। ये कर्मचारी विशेष सेवाओं, इंजीनियरिंग, व्यापार, विनिर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य, वस्त्र और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो दिखाता है कि कई तरह के औपचारिक संस्थानों में इसे अपनाया गया है। सिर्फ. प्रोत्साहन राशि के अलावा, पीएम-वीबीआरवाई से रवि को एक ईपीएफओ खाता और एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर मिला है। इससे वह एक ऐसी व्यवस्था का हिस्सा बन गए हैं, जो भविष्य निधि योगदान, बीमा सुरक्षा और कानूनी रोजगार लाभ भी देता है। उनके जैसे पहली बार औपचारिक रोजगार पाने वाले कई लोगों के लिए, यह सामाजिक सुरक्षा कवरेज और एक व्यवस्थित रोजगार से जुड़ने का एक बेहतर मौका है। लगातार छह महीने तक नौकरी करने की शर्त का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि इस योजना के तहत बनी नौकरियां असल करियर की नींव बनें। लंबे समय तक औपचारिक रोजगार से कई क्षेत्रों में नौकरियों में काम आने वाला कौशल विकसित होता हैं, पेशेवर तौर-तरीके सीखने को मिलते हैं और भविष्य में नौकरी पाने की क्षमता भी मजबूत होती है। इससे मिलने वाले फायदे योजना के तहत मिलने वाली मदद की अवधि के बाद भी बने रहते हैं। रोजगार के मौके पैदा करना एक अहम नीतिगत लक्ष्य है। उतना ही जरूरी यह सुनिश्चित करना भी है कि रवि जैसे कर्मचारी औपचारिक अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाए रख सकें, जहाँ रोजगार के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा कवरेज और संस्थागत सुरक्षा भी मिलती है। जैसे-जैसे ज्यादा युवा कर्मचारी औपचारिक नौकरियों में छह महीने, एक साल और उससे ज्यादा समय बिताते हैं, कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आता है और छोटे संस्थान भी औपचारिक तरीके से लोगों को काम पर रखने की प्रक्रिया अपनाते हैं। इस योजना के तहत 3.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां मिलने का अनुमान है और औपचारिक अर्थव्यवस्था का यह धीरे-धीरे बढ़ता दायरा ही वह बदलाव है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए पीएम-वीबीआरवाई को लाया गया है।

(लेखक नीति आयोग के सदस्य हैं)

जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका दिखा अलग थलग, दुनिया जता रही मोदी पर भरोसा

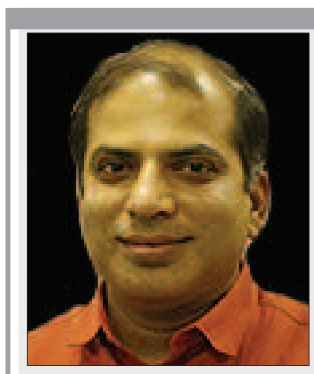

नीरज कुमार दुबे

ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है।

जी-7 शिखर सम्मेलन इस बार वैश्विक अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और व्यापार का मंच नहीं बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था का आईना प्रतीत हुआ। फ्रांस में आयोजित इस सम्मेलन में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहुंचे तो उनके सामने वह यूरोप खड़ा था जो अब आंख मूंदकर वॉशिंगटन के पीछे चलने को तैयार नहीं दिखता। लंबे समय तक टैरिफ की धमकियां, कूटनीतिक दबाव, सार्वजनिक अपमान और अचानक फैसलों का सामना करने के बाद अब यूरोपीय देशों ने यह मान लिया है कि ट्रंप बदलती अमेरिकी सोच का स्थायी चेहरा हैं। यही कारण है कि इस बार जी-7 सम्मेलन पर सबसे गहरी छाया अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरी की रही।

देखा जाये तो ईरान युद्ध के बाद पैदा हुई वैश्विक बेचैनी ने इस सम्मेलन को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। युद्धविराम की घोषणा के बावजूद तेल बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है, महंगाई को लेकर चिंता गहरा रही है और दुनिया की अर्थव्यवस्था फिर अनिश्चितता के मोड में पहुंचती दिखाई दे रही है। ट्रंप इस सम्मेलन में यह साबित करने पहुंचे कि उनकी आक्रामक और टकराव वाली विदेश नीति परिणाम दे रही है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी प्राथमिकताओं को स्वीकार करे, चाहे मामला व्यापार का हो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का, सुरक्षा का या फिर चीन को घेरने की रणनीति का। लेकिन इस बार यूरोप का स्वर बदला हुआ है। वह अमेरिका के साथ तो रहना चाहता है, मगर उसकी हर बात पर सिर झुकाने को तैयार नहीं है।

देखा जाये तो यूरोप के भीतर यह बदलाव अचानक नहीं आया। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वर्षों से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क साफ है कि यूरोप को अपनी सुरक्षा और अपने हितों की रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस बार सम्मेलन की मेजबानी कर रहे मैक्रों ने साफ शब्दों में कह दिया है कि यह ऐसा समय है जब अमेरिकी, रूसी और चीनी नेतृत्व यूरोप के हितों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसलिए यूरोप को अब जागना होगा और अपने हितों की रक्षा खुद करनी होगी।

हालांकि मैक्रों की रणनीति केवल विरोध की नहीं है। उन्होंने ट्रंप के साथ निजी संबंध बनाए रखने की भी भरपूर कोशिश की है। कभी एफिल टावर पर भोज, कभी सैन्य परेड में विशेष सम्मान और कभी नोट्रे डेम कैथेड्रल के पुनरोद्धार समारोह में आमंत्रण देकर उन्होंने ट्रंप को साधने की कोशिश की है। लेकिन ईरान युद्ध और ग्रीनलैंड विवाद के बाद यूरोप में ट्रंप विरोध चरम पर पहुंच गया। एक समय तो हालात ऐसे बन गए थे कि यूरोपीय नेताओं को लगने लगा कि ट्रंप डेनमार्क के अधीन ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए अमेरिकी सेना भेज सकते हैं। यह केवल एक भू-राजनीतिक विवाद नहीं था, बल्कि उस भरोसे के टूटने का प्रतीक था जिस पर दशकों से अटलांटिक गठबंधन टिका हुआ था।

दरअसल, ग्रीनलैंड प्रकरण ने यूरोप को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं नाटो की सबसे बड़ी सैन्य ताकत ही उसके लिए सबसे बड़ा खतरा न बन जाए। यही कारण है कि अब यूरोपीय देशों में यह बहस तेज हो गई है कि अगर अमेरिका हर वैश्विक संकट में नेतृत्व नहीं करता या करना नहीं चाहता, तो आगे की दुनिया कैसी होगी। इस चिंता ने नाटो और अटलांटिक गठबंधन की नींव तक को हिला दिया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर भी इस बार दबाव में दिखे। घरेलू राजनीति में चुनौती झेल रहे स्टारमर को ईरान पर अमेरिकी हमलों का समर्थन न करने के कारण ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से ब्रिटेन का मजाक उड़ाया और उसे असहयोगी तक कह दिया। नतीजा यह हुआ कि ब्रेक्जिट के बाद अमेरिका के और करीब जाने की कोशिश कर रहा ब्रिटेन अब फिर यूरोप की ओर झुकता दिखाई दे रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, जिन्हें कभी ट्रंप का स्वाभाविक सहयोगी माना जाता था, वह भी अब दूरी बनाती नजर आ रही हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची इस सम्मेलन में पहली बार शामिल हुईं और उन्होंने अमेरिका, यूरोप तथा पश्चिम एशिया के बीच संवाद की कड़ी बनने की कोशिश की। साफ है कि दुनिया अब केवल अमेरिकी नेतृत्व पर निर्भर रहने की बजाय बहुध्रुवीय संतुलन की तरफ बढ़ रही है।

देखा जाये तो ट्रंप की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि वह निजी कूटनीति को सार्वजनिक तमाशे में बदल देते हैं। पिछले वर्ष नाटो प्रमुख मार्क रुटे के निजी संदेश सार्वजनिक कर उन्होंने यह दिखा दिया था कि यूरोपीय नेता निजी तौर पर अमेरिका के दबाव को स्वीकार करते हैं, भले ही सार्वजनिक मंचों पर विरोध का अभिनय करें। इस कारण अब यूरोपीय नेताओं के लिए संतुलन साधना और मुश्किल हो गया है। उन्हें अपने मतदाताओं को भी संतुष्ट रखना है और अमेरिका से रिश्ते भी नहीं बिगाड़ने हैं।

इसी उथल पुथल के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस सम्मेलन में विशेष महत्व रखती है। जब पश्चिमी दुनिया भीतर से विभाजित दिखाई दे रही है, तब भारत एक ऐसे संतुलित और भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभरा है जिस पर हर शक्ति केंद्र भरोसा करना चाहता है। मोदी ने रूस और अमेरिका दोनों से संबंध बनाए रखे, पश्चिम एशिया के संकटों में संतुलन साधा और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूती से उठाया। यही वजह है कि आज दुनिया भारत को केवल एक बाजार नहीं, बल्कि स्थिर नेतृत्व वाली निर्णायक शक्ति के रूप में देख रही है।

देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उन्होंने भारत को किसी एक खेमे में सीमित नहीं होने दिया। अमेरिका से रणनीतिक साझेदारी भी कायम रखी और रूस के साथ पुराने रिश्ते भी नहीं टूटने दिए। पश्चिम एशिया में भारत की स्वीकार्यता बनी रही और यूरोप के साथ आर्थिक तथा तकनीकी सहयोग भी लगातार बढ़ता गया। जी-7 जैसे मंचों पर मोदी की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत केंद्र में आ चुका है। जब दुनिया अविश्वास, टकराव और अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत संवाद, संतुलन और स्थिरता का चेहरा बनकर उभरा है। यही प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहरहाल, जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि गहरे मतभेदों और पश्चिमी देशों के भीतर बढ़ती अविश्वास की राजनीति के बावजूद संवाद की प्रक्रिया टूटी नहीं। ईरान संकट के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में पैदा हुए तनाव, तेल आपूर्ति को लेकर आशंकाओं और यूक्रेन युद्ध की लंबी खिंचती स्थिति के बीच सदस्य देशों ने कम से कम इस बात पर सहमति दिखाई कि बहुपक्षीय सहयोग को जिंदा रखना जरूरी है। सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा और विकासशील देशों के कर्ज संकट जैसे मुद्दों पर साझा चर्चा आगे बढ़ी। यूरोप ने अपनी सामरिक स्वायत्तता का स्वर बुलंद किया, जबकि अमेरिका ने भी यह संकेत दिया कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा जिम्मेदारियों में अधिक भागीदारी निभानी होगी। भारत, ब्राजील, केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की भागीदारी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ग्लोबल साउथ को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासशील देशों की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाकर भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत किया।

हालांकि सम्मेलन कई अहम मुद्दों पर ठोस नतीजे देने में विफल भी रहा। यूक्रेन युद्ध को लेकर कोई निर्णायक रोडमैप सामने नहीं आया, चीन को लेकर पश्चिमी देशों के भीतर मतभेद बने रहे और जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर विषय को जानबूझकर पीछे कर दिया गया ताकि अमेरिका और यूरोप के बीच टकराव नहीं बढ़े। ईरान समझौते पर भी स्पष्टता का अभाव रहा और ट्रंप की आक्रामक शैली के कारण साझा घोषणापत्र को लेकर एकजुटता कमजोर दिखाई दी। कुल मिलाकर यह सम्मेलन उपलब्धियों से अधिक बदलती विश्व राजनीति के अंतर्विरोधों का प्रतीक बनकर सामने आया, जहां संवाद तो जारी रहा लेकिन भरोसे का संकट अब भी गहराता दिखाई दिया।

संक्षिप्त समाचार

यूएस-ईरान समझौते के बाद होर्मुज से जल्द निकलेंगे 34 भारतीय जहाज, करोड़ों किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित होगी। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है। दरअसल तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ला रहे भारतीय टैंकर दिशा ने सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया है। भारत आ रहे 34 अन्य जहाजों के भी जल्द होर्मुज पार करने की उम्मीद है। ये जहाज पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज में फंसे हैं। होर्मुज में फंसे 34 जहाजों में से 16 जहाज ऐसे हैं, जो फर्टिलाइजर लेकर भारत आ रहे हैं। अगर समझौते के तहत सबकुछ सही रहता है और होर्मुज खुलता है तो जल्द ही भारत के करोड़ों किसानों को खेती के लिए फर्टिलाइजर मिल सकते हैं। हालांकि अभी हालात सामान्य होने में वक्त लग सकता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया गया। पश्चिम एशिया की कई अहम रिफाइनरियां और गैस प्लांट हमलों में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिससे युद्ध समाप्त होने के बाद भी आपूर्ति सामान्य होने में कई महीनों का वक्त लग सकता है। कतर का रास लफ्फान प्लांट हमले में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है और वहां से ईंधन आपूर्ति सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। भारत के इस गैस प्लांट से एलपीजी आपूर्ति का कॉन्ट्रैक्ट है, ऐसे में हालात सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा।

स्विट्जरलैंड हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी को तैयार

बर्न, एजेंसी, एजेंसी। स्विट्जरलैंड ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का स्वागत किया है। साथ ही इसे पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। साथ ही उसने इस सप्ताह के अंत में प्रस्तावित औपचारिक हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करने की पेशकश की है। बयान में स्विस विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि निकट और मध्य पूर्व में शांति और सुरक्षा स्विट्जरलैंड की विदेश नीति की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। स्विस संघीय विदेश विभाग (एफडीएफए) ने बताया कि वह अमेरिका, ईरान, पाकिस्तान और कतर के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि इस सप्ताह के अंत में स्विट्जरलैंड में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

ब्रिटेन में 16 साल की उम्र से पहले बच्चे नहीं चला सकेंगे सोशल मीडिया, प्रस्ताव से 10 में से 9 अभिभावक खुश

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में 16 साल से छोटे बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगेगा। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को इसकी घोषणा की। संबंधित नियम इस साल दिसंबर तक बन जाएंगे और 2027 मार्च- अप्रैल तक लागू होने की उम्मीद है। सरकार का तर्क है कि एल्गोरिदम आधारित प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और सामाजिक विकास पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। प्रस्ताव के तहत सोशल मीडिया के उपयोग से पहले उम्र सत्यापन सख्ती से लागू होगा और नियम पालन कराने की जिम्मेदारी कंपनियों पर होगी। बैन एप में स्नैपचैट, टिकटॉक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म शामिल होंगे। वॉट्सएप और सिग्नल जैसी मैसेजिंग सेवाएं फिलहाल प्रतिबंध में शामिल नहीं होंगी। ब्रिटिश सरकार के एक सर्वे में 10 में से 9 अभिभावकों ने इस प्रतिबंध का स्वागत किया है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी फॉर पब्लिक हेल्थ द्वारा 14-24 वर्ष के युवाओं के बीच किए सर्वे के मुताबिक स्नैपचैट, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम से डिप्रेशन, चिंता, अपने शरीर को लेकर हीन भावना और अकेलेपन में बढ़ोतरी होती है। अमेरिकी सर्जन जर्नल के मुताबिक रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताने वाले किशोरों में मानसिक समस्याओं का खतरा दोगुना होता है। अमेरिका में एक परीक्षण में पाया गया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद करने से युवाओं में खुशी, जीवन से संतुष्टि बढ़ी, डिप्रेशन-एंग्जाइटी में सुधार हुआ। 25 से ज्यादा देश किशोरों-बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन करने की पहल कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में साल भर पहले प्रतिबंध लागू किया गया था। मलेशिया, इंडोनेशिया और ब्राजील में भी इस साल की शुरुआत से प्रतिबंध लागू हो चुके हैं। नॉर्वे, फ्रांस, अमेरिका, चीन जैसे कई देशों में बच्चों के लिए सोशल मीडिया से जुड़े नियम सख्त किए जा रहे हैं।

अमेरिका का बी-52 बॉम्बर उड़ान भरने के तुरंत बाद हुआ क्रैश, हादसे में आठ लोगों की मौत

एडवर्ड्स , एजेंसी। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित मोजावे रेगिस्तान में स्थित एक वायुसेना अड्डे पर बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस बमवर्षक विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि विमान ने एयरबेस से उड़ान भरी थी, लेकिन टेकऑफ के तुरंत बाद वह दुर्घटना का शिकार हो गया। न्यूज एजेंसी एपी ने वायु सेना के हवाले से बताया कि कैलिफोर्निया के एक सैन्य अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुए बी-52 बमवर्षक विमान में सवार आठ लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि विमान सुबह करीब 11:20 बजे एडवर्ड्स वायुसेना अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके बाद आपातकालीन राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। लॉस एंजिलिस के उत्तर में स्थित एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस ने सोशल मीडिया पर कहा, 'प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि इस दुर्घटना में जीवित बचना संभव नहीं था।' अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

इलाके में दिखा धुएं का गुबार : चालक दल के सदस्यों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है, हालांकि हवाई दृश्यों में विमान का मलबा लगभग पूरी तरह नष्ट दिखाई दिया। दुर्घटनाग्रस्त के बाद वायुसेना के अड्डे के एक रनवे के निकट रेगिस्तानी क्षेत्र में आग लगने से काला धुआं उठता दिखाई दिया

और आसपास कई आपातकालीन वाहन तैनात थे। सेना ने यह नहीं बताया है कि बमवर्षक विमान हथियारों से लैस था या नहीं। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि आपातकालीन राहत कार्यों पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए एयरबेस पर गैर-व्यावसायिक आगंतुकों के प्रवेश पास अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं। एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस अमेरिकी वायुसेना के विमान परीक्षण और विकास कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र है। यह लॉस एंजिलिस से लगभग 161 किलोमीटर उत्तर में स्थित है।

एयरबेस पर होते हैं विमानों और हथियारों के परीक्षण : इस बेस का संचालन करने वाला 412वां टेस्ट विंग वायुसेना के सभी विमानों, हथियार प्रणालियों, सॉफ्टवेयर और अन्य उपकरणों का खरीद से पहले तथा उनके पूरे सेवा काल के दौरान परीक्षण करता है। यही वह सैन्य अड्डा है जहां 1947 में वायुसेना के परीक्षण पायलट चक येगर ने मैक 1.05 की गति हासिल कर आवाज की स्पीड को पहली बार पार किया था। विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ जेफ गुजेट्टी का मानना है कि विमान का उड़ान भरने के तुरंत बाद, बिना अधिक ऊंचाई हासिल किए दुर्घटनाग्रस्त होना किसी उड़ान नियंत्रण प्रणाली में खराबी की ओर संकेत कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। उनके अनुसार, यह संभव है कि रखरखाव के बाद नियंत्रण प्रणाली में कोई त्रुटि रह गई हो, इंजन में गंभीर खराबी आई हो या परीक्षण किए जा रहे किसी उपकरण में विफलता हुई हो।

बीते साल टला था एक बड़ा हादसा : एडवर्ड्स वायुसेना अड्डा एक विशाल रेगिस्तानी सैन्य ठिकाना है, जहां 1947 में चक येगर ने पहली बार ध्वनि की गति को पार किया था। यह अड्डा लॉस एंजिलिस से लगभग 100 मील (161 किलोमीटर) उत्तर में स्थित है। यह दुर्घटना ऐसे समय हुई है, जब लगभग एक वर्ष पहले जुलाई 2025 में नॉर्थ डकोटा के ऊपर उड़ान भर रहे एक क्षेत्रीय यात्री विमान के पायलट को संभावित टक्कर से बचने के लिए अचानक तेज मोड़ लेना पड़ा था। उस समय उसके उड़ान मार्ग में एक सैन्य बी-52 बमवर्षक विमान आ गया था।

बी-52 बॉम्बर क्यों है खास : बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और लंबे समय से सेवा में बने हुए सामरिक बमवर्षक विमानों में से एक है। इसका विकास शीत युद्ध के दौर में किया गया था, लेकिन आधुनिक तकनीकों के समावेश के कारण यह आज भी कई देशों की वायु सेनाओं के लिए अध्ययन और रणनीतिक महत्व का विषय बना हुआ है। यह विमान लंबी दूरी तक बिना रुके उड़ान भरने की क्षमता रखता है, जिससे इसे अंतरमहाद्वीपीय अभियानों में प्रभावी माना जाता है। बी-52 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी भारी हथियार वहन क्षमता है। यह पारंपरिक और आधुनिक दोनों प्रकार के हथियारों को ले जाने में सक्षम है। इसके विशाल पंख और शक्तिशाली इंजन इसे लंबे समय तक हवा में बने रहने की क्षमता प्रदान करते हैं। आवश्यकता पड़ने पर यह हवा में ही ईंधन भरकर अपनी उड़ान अवधि को और बढ़ा सकता है। उन्नत रडार, नेविगेशन प्रणाली और संचार उपकरणों से लैस होने के कारण यह विभिन्न मौसम परिस्थितियों में भी मिशन पूरा करने में सक्षम है।

अमेरिका के साथ समझौते पर बोले ईरान के शीर्ष नेता, राष्ट्रपति ने सुप्रीम लीडर को दिया श्रेय, स्पीकर ने बताया ऐतिहासिक जीत

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक बड़े समझौते के बाद ईरान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान और संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इस समझौते को देश के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया है। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर देश को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा ख़ामेनेई ने इस समझौते में 'देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाले प्रावधानों को शामिल कराने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है।' उन्होंने आगे लिखा, 'अगर सभी प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया जाता है, तो इसे देश के लिए गौरवान्वित करने वाला दस्तावेज़ माना जा सकता है।' गौरतलब है कि इस साल मार्च में सर्वोच्च नेता (सुप्रीम लीडर) का पद संभालने के बाद से मोजतबा ख़ामेनेई सार्वजनिक रूप से नज़र नहीं आए हैं और इस समझौते पर अभी तक उनकी ओर से कोई सीधा बयान नहीं आया है। दूसरी ओर, इस पूरी बातचीत में शीर्ष वार्ताकार की भूमिका निभाने वाले ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बग़र ग़ालिबाफ़ ने इसे ईरान की 'अंतिम जीत की ओर एक बड़ा क़दम' करार दिया है। उन्होंने ईरान की जनता के ऐतिहासिक प्रतिरोध (की सराहना करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि जनता के दृढ़ व्यवहार और 'उन ताकतों के ख़िलाफ़ सशस्त्र बलों की बहादुरी, जो इस राष्ट्र का अस्तित्व मिटाना चाहते थे', ने ही ईरान को इस मकाम तक पहुँचाया है।

गहरी खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, 30 से अधिक लोगों की दर्दनाक मौत

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपिया के उत्तरी अमहारा क्षेत्र में एक भीषण हादसा हो गया है। इस हादसे में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग घायल हैं। ये इलाका संघर्ष से प्रभावित है और हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं में देरी से स्थिति और गंभीर हो गई। बता दें कि ये हादसा सोमवार की सुबह उस समय हुई जब एक खचाखच भरी बस डेसी क्षेत्र से राजधानी अदीस अबाबा की तरफ जा रही थी। पुलिस ने बताया कि इसी दौरान बस अचानक सड़क से फिसल गई और एक गहरी खाई में जा गिरी।

बचाव कार्य में देरी : हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की प्रतिक्रिया में देरी की वजह भी सामने ई है। जिस इलाके में ये हादसा हुआ, वहां बुनियादी ढांचे की भारी कमी है और एम्बुलेंस सेवाओं का भी अभाव है। यही कारण है कि घायलों को निजी वाहनों में अस्पताल ले जाना पड़ा। इस दौरान घायलों की हालत और बिगड़ने की आशंका है।

इथियोपिया में क्यों होते हैं ज्यादा सड़क हादसे : इथियोपिया दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों की दर काफी अधिक है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं, जिनमें खराब सड़क ढांचा, वाहनों की जर्जर स्थिति और यातायात नियमों का प्रभावी ढंग से पालन न होना प्रमुख हैं। देश के कई ग्रामीण और पहाड़ी इलाकों में सड़क नेटवर्क पर्याप्त विकसित नहीं है। संकरी और खराब सड़कों के कारण वाहन अक्सर नियंत्रण खो देते हैं और गहरी खाइयों में गिर जाते हैं। इसके अलावा, गलत तरीके से मोड़ लेना, खतरनाक ओवरटेकिंग करना, वाहनों के बीच पर्याप्त दूरी न रखना और निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाना आम समस्याएं हैं। हादसों की एक बड़ी वजह बसों और ट्रकों की खराब तकनीकी स्थिति भी है। कई वाहन क्षमता से अधिक यात्रियों या माल को ढोते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। वहीं, सड़कों पर फुटपाथ और जेब्रा क्रॉसिंग जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

'अफगानिस्तान में रोकें महिलाओं पर कार्रवाई', संयुक्त राष्ट्र का तालिबान से आग्रह

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से महिलाओं पर लगाए गए प्रतिबंधों को शीघ्र वापस लेने और देश में सक्रिय उन उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया है। इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले चीन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत फू कोंग ने कहा कि उम्मीद है कि अफगान सरकार मानवाधिकारों, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अधिक सक्रिय कदम उठाएगी और खुलेपन, समावेशिता तथा जिम्मेदारी की छवि पेश करेगी।

प्रस्ताव के तहत अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन की अवधि 17 जून 2027 तक बढ़ा दी गई है। साथ ही मिशन को बिना किसी भेदभाव के मानवीय सहायता पहुंचाने तथा राष्ट्रीय और स्थानीय प्रशासन को बढ़ावा देने का अधिकार दिया गया है, जिसमें लिंग, धर्म या जातीयता के आधार पर कोई भेदभाव न हो और महिलाओं, अल्पसंख्यकों, युवाओं तथा दिव्यांग व्यक्तियों की पूर्ण, समान, सार्थक और सुरक्षित भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

यह प्रस्ताव ऐसे समय पारित किया गया है जब इस महीने पश्चिमी अफगानिस्तान के हेरात शहर में तालिबान के सख्त ड्रेस कोड के कथित उल्लंघन के आरोप में कम से कम 30 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया था। संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) के अनुसार, इन गिरफ्तारियों के विरोध में हुए एक दुर्लभ प्रदर्शन को तालिबान पुलिस ने बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया था। इस दौरान गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। तालिबान 2021 से अफगानिस्तान पर शासन कर रहा है, जब अमेरिका के नेतृत्व वाली सेनाओं की वापसी के बाद उसने सत्ता संभाली थी। इसके बाद से उसने शरीयत की कड़ी व्याख्या लागू की है, जिसके तहत महिलाओं और लड़कियों पर कई कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें प्राथमिक स्तर से आगे की शिक्षा और अनेक नौकरियों पर रोक शामिल है। इन नीतियों का असर अल्पसंख्यक समुदायों पर भी पड़ा है।

प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र मिशन को तालिबान, क्षेत्रीय देशों और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संवाद को सुगम बनाने का भी अधिकार दिया गया है। अमेरिका की उप राजदूत जेनिफर लोसेट्टा ने कहा, 'इस राजनीतिक प्रक्रिया की सफलता के लिए तालिबान को कदम उठाने होंगे। उसे आतंकवाद-रोधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होगा, अफगानिस्तान के अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करना होगा, बंधक कूटनीति समाप्त करनी होगी और महिलाओं एवं लड़कियों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन बंद करने होंगे।'

पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान पर उन उग्रवादियों को शरण देने का आरोप लगाता रहा है, जो उसकी सीमा के भीतर घातक हमले करते हैं। हालांकि तालिबान इन आरोपों से इनकार करता है। फरवरी में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के भीतर किए गए हवाई हमलों के जवाब में अफगानिस्तान ने कार्रवाई की थी, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच संघर्ष में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

समझौता ईरान के लिए अमेरिका के साथ खराब हो चुके रिश्तों को सुधारने का मौका : वेंस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत करते हुए उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि इससे तेहरान को वाशिंगटन के साथ अपने 47 साल के नाकाम रिश्तों में एक नई शुरुआत करने का मौका मिला है.

सीबीएस न्यूज और एबीसी न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा कि इस शांति समझौते की दो मुख्य उपलब्धियां हैं - यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे, और अगर ईरान समझौते में तय शर्तों का पालन करता है, तो उसके लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल होने के रास्ते खुल जाएंगे.

वेंस ने सीबीएस न्यूज से कहा, 'इस समझौते के असल में दो पहलू हैं– एक तरफ, यह पक्का करता है कि ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे और साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को भी खोलता है... यह असल में ईरान की तरफ दोस्ती का हाथ भी बढ़ाता है और कहता है, 'देखिए, अगर आप अपनी जिम्मेदारियां निभाने को तैयार हैं, अगर आप अपने परमाणु कार्यक्रम की असल जांच-पड़ताल की इजाजत देने को तैयार हैं, तो हम दुनिया की अर्थव्यवस्था में आपका फिर से स्वागत करेंगे'. '

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रपति अमेरिका और ईरान के बीच 47 साल से चले आ रहे नाकाम रिश्ते के अध्याय में नयी शुरुआत करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि ईरानी भी समझौते के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें. '

वेंस ने कहा कि ईरान के साथ हुआ समझौता 'प्रदर्शन पर आधारित' है. वेंस ने कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करता है, तो उसे 300 अरब अमेरिकी डॉलर के पुनर्निर्माण निधि तक पहुंच मिल जाएगी, लेकिन यह पैसा अमेरिका से नहीं आएगा.

वेंस ने 'सीबीएस मॉर्निंग्स' को निधि के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'यह एक ऐसी चीज है, जिसका फायदा उन्हें मिल सकता है, और इसके लिए (खाड़ी सहयोग परिषद) से राशि मिलेगी, बशर्ते वे अपनी जिम्मेदारियां पूरी करें.' वेंस ने कहा, 'हम निश्चित रूप से (खाड़ी सहयोग परिषद) देशों द्वारा ईरान के पुनर्निर्माण में निवेश करने के लिए तैयार हैं, लेकिन केवल तभी जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद कर दे।

नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस के बेटे को रेप केस में 4 साल की जेल

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं।

अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते। अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल और मारपीट की बात स्वीकार की थी। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट के बेटे मारियस बोर्ग होइबी (29) को ओस्लो डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रेप, घरेलू हिंसा और अन्य अपराधों में दोषी

ठहराते हुए 4 साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब मेटे-मैरिट भी दिवंगत अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने पुराने संबंधों को लेकर विवादों में हैं। अदालत ने होइबी को दो रेप मामलों में दोषी ठहराया, जबकि दो अन्य रेप आरोपों से बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 2018 से 2024 के बीच उन्होंने कई महिलाओं का यौन शोषण किया, जिनमें कुछ महिलाएं सो रही थीं या प्रतिरोध करने की स्थिति में नहीं थीं। होइबी, क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट और क्राउन प्रिंस हाकोन के साथ शाही माहौल में बड़े हुए हैं। हालांकि, उनके पास कोई शाही उपाधि नहीं है और वे राजपरिवार की ओर से कोई आधिकारिक भूमिका नहीं निभाते।

अदालत ने उन्हें अपनी पूर्व प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार, दूसरी साथी पर हमला, ड्रग्स से जुड़े अपराध और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी दोषी पाया। होइबी ने रेप के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन कोकीन के इस्तेमाल और मारपीट की बात स्वीकार की थी।

ट्रंप की डील पर भड़का इजरायल, रक्षा मंत्री बोले- हम ट्रंप के गुलाम नहीं, अपने फैसले लेने के लिए स्वतंत्र

तेलअवीव, एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच तनाव कम करने और युद्ध समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर सहमति बनने के बाद इजरायल की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। इजरायल के रक्षामंत्री इतामार बेन-ग्विर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मध्यस्थता में हुई डील इजरायल पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इजरायल अपने फैसले लेने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है।

इजरायल की तरफ से यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अस्थायी संघर्षविराम पर शुरुआती सहमति बनने के बाद सामने आया। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार, 19 जून को स्विट्जरलैंड में होगा।

ट्रंप ने किया ऐलान : ईरान के साथ समझौते होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ डील अब पूरी हो गई है। सभी को बधाई। मैं इसके जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी रोक-टोक के खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंजूरी देता हूं। दुनिया भर के जहाजों, अपने इंजन चालू करो। तेल की सप्लाई शुरू होने दो।

पाकिस्तान ने किया स्वागत : ईरान-अमेरिका के बीच समझौत का पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वागत किया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट में लिखा, काफी बातचीत के बाद हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। दोनों पक्षों ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और हमेशा के लिए रोकने का ऐलान किया है।

'यह केवल 60 दिनों के लिए युद्धविराम' : युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते पर, तेल अवीव स्थित जेरूसलम सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड फॉरेन अफेयर्स के डायरेक्टर जनरल और डायरेक्टर ऑफ कम्युनिकेशंस, सागीव स्टीनबर्ग कहते हैं, राष्ट्रपति ट्रंप ने कल ट्वीट किया कि हमारे पास एक शांति समझौता है। लेकिन जहां तक मैं देख पा रहा हूं, यह कोई शांति समझौता नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि यह 60 दिनों के लिए युद्धविराम है, क्योंकि जब समझौता अभी तक पब्लिश नहीं हुआ है। आगे उन्होंने कहा कि समझौते की डिटेल जानने के लिए हमें शुक्रवार तक इंतजार करना होगा।

ट्रंप और मेरी राय एक जैसी नहीं: नेतन्याहू : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों और इस डील पर मतभेदों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ट्रंप और मैं साझेदार हैं और हम अक्सर कई मुद्दों पर एक-दूसरे से सहमत होते हैं, लेकिन कभी-कभी हमारी राय पूरी तरह एक जैसी नहीं होती। यह बयान उस समय आया है जब वाशिंगटन और तेहरान के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि ईरान के मसले पर इजरायल का अपना नजरिया है जो अमेरिकी रुख से अलग हो सकता है।

पीछे नहीं हटेगा इजरायल : नेतन्याहू ने एक बार फिर दोहराया कि इजरायल की सर्वोच्च प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि समझौता हो या न हो, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होंगे। उन्होंने आगे कहा कि इजरायल ने खुद को विनाश से बचा लिया है, लेकिन उनकी जंग अभी खत्म नहीं हुई है। इजरायली पीएम के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को विफल करने के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे, इजरायल उन्हें उठाने से पीछे नहीं हटेगा। क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा करते हुए नेतन्याहू ने बताया कि इजराइली सेना ने उन महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया है।

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें

सिंगल मदर्स के लिए बच्चे की परवरिश करना आसान नहीं होता है। क्योंकि उनकी जिंदगी में ऐसी कई परेशानियां आती हैं, जिन्हें वह अकेले मैनेज करती हैं। लेकिन सिंगल मदर्स अपने बच्चे को हर खुशी देने की कोशिश करती हैं। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं और बच्चे घूमने जाने की जिद करते हैं। ऐसे में मां अपने बच्चे के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह कम बजट में ट्रिप कैसे प्लान करें। क्योंकि उन्हें अकेले ही घर और बाहर सब मैनेज करना होता है। वहीं अगर आप भी सिंगल मदर हैं और बजट में ट्रिप प्लान करने में परेशान हो रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप सिर्फ 10 हजार रुपए में घूमने का प्लान बना सकती हैं।

ऐसे प्लान करें ट्रिप

बजट में ट्रिप प्लान करने के लिए जरूरी है कि आप सही लोकेशन का चुनाव करें। क्योंकि सही लोकेशन आपके बजट को कम करती है। भले ही आप इन जगहों पर घूम चुकी हों, लेकिन बच्चे के लिए आप किसी सस्ती जगह का चुनाव कर सकती हैं।

वहीं सिंगल मदर्स को ऐसी जगह का चुनाव करना चाहिए, जहां पर अच्छी सुविधा और सुरक्षा के लिहाज से भी ठीक हो। जहां पर सस्ते ऑटो या कैब आदि आसानी से मिल सकें। जैसे पहाड़ों वाली जगह पर हर चीज का दाम अधिक रहता है। इन जगहों पर खाने-पीने से लेकर स्टे तक के साधन काफी महंगे होते हैं।

वहीं आपको अपने साथ कुछ खाने पीने की ऐसी चीजें रखनी चाहिए, जो जल्दी खराब न हों। ट्रिप के दौरान आप साथ में फल लेकर जा सकती हैं। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और जल्दी भूख भी नहीं लगेगी।

बजट में घूमने के लिहाज से टूर पैकेज बेस्ट ऑप्शन होते हैं

सही लोकेशन का चुनाव करने पर आपको होटल भी कम दाम में मिल जाते हैं और यहां पर पहुंचना भी आसान होता है।

अधिकतर सिंगल मदर्स शहर से बाहर नहीं जाना चाहती हैं, तो आप शहर में रहकर भी घूमने जाने का प्लान बना सकती हैं। आप शहर में बच्चे को ऐसी जगह घुमाएं, जहां पर बच्चे हमेशा से जाना चाहते थे। ऐसा करने से न सिर्फ ट्रैवल और होटल का खर्चा बचेगा, बल्कि शहर में रहकर बच्चे अपनी पसंदीदा जगह घूम सकेंगे।

दूसरे शहर में कम खर्चे के लिहाज से आप शेयरिंग के साधन से घूम सकती हैं। क्योंकि इसमें कम बजट होता है। वहीं बच्चों के साथ घूमने के लिए यह टिप्स आपकी यात्रा को आसान बना देगी।

देहरादून में करना चाहते कुछ तूफानी तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, जमकर कर सकेंगे मस्ती

देहरादून एक ऐसी जगह है, जहां पर आपको खूबसूरत हिल स्टेशन मिलेंगे। यहां से हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और धनोल्टी जैसी कई जगहों पर आप जा सकते हैं। वहीं अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक अनुभव करना चाहते हैं। वहीं कुछ देहरादून में ऐसी जगहों की तलाश करना चाहते हैं, जहां पर कुछ अच्छी एक्टिविटी कर सकें। अगर आप भी देहरादून में कुछ तूफानी करना चाहते हैं, तो आपको आसपास के हिल स्टेशन पर घूमने जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देहरादून की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रॉबर्स केव देहरादून

देहरादून की यह आपको काफी रोमांचक लगेगी। क्योंकि इसकी बनावट लोगों को आकर्षित करती है। जिन लोगों ने पहले कभी गुफा वाली जगहों पर प्रवेश नहीं किया है, उनके लिए यह एडवेंचर्स साबित हो सकता है। क्योंकि यहां पर आपको पैदल जाना होगा। पैरों में पानी होता है और मछलियां आपके पैरों को छूती हैं। हालांकि शुरूआत में आपको गुफा में चलने में थोड़ा डर लग सकता है, लेकिन धीरे-धीरे अंदर जाते ही नॉर्मल लगने लगेगा। प्रयास करें कि आप सुबह-सुबह पहुंचें, क्योंकि यहां पर बहुत भीड़ लगती है। यह मसूरी के पास घूमने लायक अच्छी जगहों में से एक है।

रॉक क्लाइबिंग

अगर आप कुछ तूफानी करना चाहते हैं और बिना किसी सहारे के पेड़ पर चढ़ना चाहते हैं। तो आपको देहरादून में रॉक क्लाइंबिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। यह सालन गांव में रॉक क्लाइबिंग करवाई जाती है। जहां पर आपको हर दिन भीड़ देखने को मिलेगी। आप यहां पर कैंपिंग के साथ कई तरह की एक्टिविटी भी कर सकते हैं। वहीं आप यहां पर पैकेज भी बुक कर सकते हैं और पूरा रात टेंट में बिता सकते हैं। इस दौरान आपको मिट्टी के बर्तन में खाना बनाना होगा और पूरी लाइफ कैंप की तरह जीना होगा। यह आपके लिए एक रोमांचक अनुभव हो सकता है।

मालसी डियर पार्क

अगर आप देहरादून में कुछ रोमांचक करना चाहते हैं, तो मालसी डियर पार्क जा सकते हैं। क्योंकि यह जगह आपको निराश नहीं करेगी। आप यहां पर जिप लाइनिंग और तरह-तरह की एक्टिविटी भी कर सकेंगे। बच्चों को भी यहां पर एक्टिविटी करवाई जाती है। वहीं अगर आप छोटा ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको यहां पर आपको भूलकर भी नहीं जाना चाहिए। यह देहरादून के पास घूमने वाली बेस्ट जगहों में से एक है।

भीड़ से दूर बेहद शांत है उत्तराखंड का ये हिल स्टेशन, जन्नत में आने का होगा एहसास

समर वेकेशन में हजारों लोग घूमने-फिरने के लिए निकल गए हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने अभी तक कोई ट्रिप प्लान नहीं कर पाए हैं। वह किसी पहाड़ी जगह पर घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन लोकेशन नहीं ढूंढ पा रहे हैं। वहीं कुछ लोग ऋषिकेश-नैनीताल नहीं जाना चाहते हैं, क्योंकि इन जगहों पर समर वेकेशन में यहां पर पर्यटकों की अधिक भीड़ आती है। इसलिए अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं, जो नैनीताल और ऋषिकेश से भी अधिक सुंदर हो। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक सबसे खूबसूरत जगह के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनस्यारी – अगर आप भी दिल्ली की गर्मी से परेशान होकर अपने परिवार के साथ उत्तराखंड में अच्छी जगह ढूंढ रहे हैं। तो फौरन आपको मुनस्यारी का ट्रिप प्लान करें। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, ट्रेकिंग और ऊंचे पहाड़ों के लिए जाना जाता है। मुनस्यारी में गर्मियों में आपको अधिक भीड़ नहीं मिलने वाली है। क्योंकि मुनस्यारी काफी ऊंचाई पर स्थित है। नैनीताल से मुनस्यारी पहुंचने में आपको करीब 11 से 12 घंटे का समय लगता है। वहीं ऋषिकेश से भी यहां तक पहुंचने में करीब इतना ही समय लगेगा। यह मसूरी के पास घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

ऐसे पहुंचे मुनस्यारी

अगर आप दिल्ली से यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करने के लिए अच्छा है। हालांकि इसमें ज्यादा समय लग सकता है।

अगर आप चाहें तो दिल्ली से देहरादून के लिए ट्रेन ले सकते हैं। फिर मुनस्यारी के लिए बस ले सकते हैं।

इसके साथ ही मुनस्यारी के लिए कैब की सुविधा भी मौजूद है। लेकिन इसमें खर्च ज्यादा होता है। वहीं अगर आप बजट में यात्रा करने का प्लान बना रहे हैं, तो बस से यात्रा करें।

आने-जाने में असुविधा न हो इसके लिए पहले से बस की बुकिंग कर लें। क्योंकि अधिक भीड़ होने पर आपको बस में सीट मिलने में मुश्किल हो सकती है।

दिल्ली से मुनस्यारी की दूरी करीब 604 किमी है। यहां पर पहुंचने में आपको 13-14 घंटे का समय लग सकता है।

प्रयास करें कि आप रात में बस ले लें। जिससे कि सुबह मुनस्यारी में ही आंख खोलें। इससे आपका सफर आराम से सोकर बीतेगा।

मुनस्यारी परिवार के साथ घूमने के लिहाज से काफी अच्छी जगह है।

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को 卐भारत का मिनी इज़राइल卐 भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है।

कसोल की खासियत

कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

प्रमुख आकर्षण

1. पार्वती नदी

यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है।

2. तोश और मणिकरण

कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है।

3. चालल गाँव

कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं।

4. इज़राइली कैफ़े और भोजन

कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कसोल में करने योग्य गतिविधियाँ

ट्रेकिंग (खीरगंगा, तोश, चालल, ग्रहन)

कैम्पिंग और बोनफायर

रिवर साइड कैफ़े में समय बिताना

स्थानीय लोगों से मिलकर पहाड़ी संस्कृति को समझना

हर्बल चाय और हिमाचली हस्तशिल्प की खरीदारी

यात्रा का उत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी जलवायु और ट्रेकिंग के लिए अनुकूल मौसम।

सितंबर से नवंबर- मानसून के बाद की हरियाली और साफ आसमान।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने के लिए उत्तम।

कैसे पहुँचे कसोल?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है।

सड़क मार्ग- दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं। यहाँ का शांत वातावरण, रोमांचक ट्रेक्स, विदेशी भोजन और पहाड़ी सौंदर्य, हर पर्यटक को मंत्रमुग्ध कर देता है। चाहे आप सोलो ट्रैवलर हों, कपल या दोस्तों के साथ – कसोल हर किसी के लिए एक यादगार अनुभव है।

आपदा प्रभावितों की आजीविका संवर्द्धन के लिए ग्रामोत्थान ने बांटी राहत राशि

प्रभावितों को दी 52 लाख 95 हजार की धनराशि, 9 प्रभावितों को मुख्यमंत्री राहत कोष से मिली मदद

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में आपदा प्रभावितों की आजीविका संवर्द्धन के लिए सरकार की ओर से हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके लिए सरकार की ओर से प्रभावितों को अपने कारोबार को पुनः स्थापना करने के लिए सहयोग भी किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को थराली में आयोजित कार्यक्रम में थराली विधायक भूपाल राम टम्टा की ओर से नगर क्षेत्र के 86 आपदा प्रभावितों को राहत राशि के चैक वितरित किए गए।

गौरतलब है कि वर्ष 2025 में 22 व 23 अगस्त को थराली क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश से क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवासीय भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ था। जिसके बाद से सरकार की ओर से आपदा प्रभावितों के जीवन का सामान्य करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्रम में बुधवार को ब्लॉक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने 80 आपदा प्रभावित व्यवसायियों को आजीविका संवर्द्धन हेतु 52 लाख 95 हजार की धनराशि के चैक वितरित किए गए। साथ ही तहसील प्रशासन की ओर से 9 आपदा प्रभावितों को 3 लाख 96 हजार की मुख्यमंत्री राहत कोष की मुआवजा धनराशि के चैक उपलब्ध कराए गए।

नीट यूजी परीक्षा के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त सफर

रुद्रपुर। नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों में निशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान की जाएगी। शासन के निर्देश पर परिवहन निगम ने सभी मंडलीय प्रबंधकों और डिपो सहायक महाप्रबंधकों को इस संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार, यह सुविधा केवल उत्तराखंड के स्थायी निवासी उन अभ्यर्थियों को मिलेगी, जिन्हें पुनर्परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी किया गया है। अभ्यर्थी 19 जून से 23 जून 2026 तक निगम की साधारण श्रेणी की बसों में अपने परीक्षा केंद्र तक आने–जाने के लिए मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। परीक्षा केंद्र तक जाने की यात्रा परीक्षा तिथि से दो दिन पहले से परीक्षा दिवस तक और वापसी यात्रा परीक्षा समाप्ति के दो दिन के भीतर करनी होगी। यह सुविधा केवल एक बार के आवागमन के लिए मान्य होगी। अभ्यर्थियों को बस में यात्रा के दौरान प्रवेश पत्र दिखाना होगा। प्रवेश पत्र की हार्ड कॉपी के साथ मोबाइल में उपलब्ध सॉफ्ट कॉपी भी मान्य रहेगी।

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उठाई समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : राज्य सरकार की जनकल्याणकारी पहल सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत आज विकासखंड ऊखीमठ की ग्राम पंचायत पठाली में जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर की अध्यक्षता में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन की समस्याओं को सुनना तथा उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों तक प्रभावी रूप से पहुंचाना रहा।

जन संवाद के दौरान ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न स्थानीय एवं जनहित से जुड़ी समस्याओं को विस्तार से रखा। ग्रामीणों ने बताया कि गांव तक पहुंचने वाले सड़क मार्ग का निर्माण लंबे समय से अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण पूर्ण होने पर न केवल स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी, बल्कि भविष्य में इसे यात्रा के दौरान एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। ग्रामीणों ने पेयजल समस्या को भी प्रमुख मुद्दा बताते हुए मांग की कि ग्राम पंचायत ऊखीमठ के अंतर्गत पिंगला पानी के लिए प्रस्तावित पेयजल योजना से पठाली गांव को भी जोड़ा जाए, जिससे लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सके। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि भालू एवं बाघ के कारण खेती-बाड़ी को भारी नुकसान हो रहा है तथा ग्रामीणों में भय का माहौल बना रहता है। उन्होंने गांव की सीमा पर सुरक्षा की दृष्टि से सोलर लाइटें स्थापित किए जाने की मांग की। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के उपरांत जिला सूचना अधिकारी वीरेश्वर तोमर ने आश्वस्त किया कि प्राप्त सभी मांगों एवं शिकायतों को संबंधित विभागों के समक्ष प्राथमिकता के आधार पर भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम का मूल उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर स्थानीय स्तर पर समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर विकासखंड ऊखीमठ के कनिष्ठ प्रमुख प्रदीप तिवारी, ग्राम प्रधान मनोहर सिंह नेगी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

एक नजर

नौ साल के बाद बलाण गांव पहुंची सड़क, ग्रामीणों में खुशी की लहर

चमोली : ब्लॉक की दूरस्थ ग्राम पंचायत बलाण में नौ साल के लंबे इंतजार के बाद सड़क पहुंच गई है। सड़क पहुंचने पर ग्रामीणों ने खुशी जताई और एक-दूसरे को बधाई दी। करीब 800 की आबादी वाले इस गांव के लिए 2016 में 11 किलोमीटर सड़क स्वीकृत हुई थी। पीएमजीएसवाई विभाग ने 2017 में सड़क कटिंग का काम शुरू किया था, लेकिन सड़क गांव तक नहीं जुड़ सकी। गांव के लोग दो किमी. की पैदल दूरी तय करते थे। किसानों को नकदी फसलें खच्चरों से सड़क तक पहुंचानी पड़ती थीं। प्रधान खीमी राम और बीडीसी सदस्य प्रदीप दानू ने बताया कि लगातार मांग के बाद तीन माह पूर्व शेष दो किमी. सड़क की स्वीकृति मिलने के बाद कार्य शुरू हुआ। अब गांव तक सड़क कटने से आवाजाही आसान होगी। 95 वर्षीय बुजुर्ग नारायण सिंह ने सड़क पहुंचने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह आजादी के बाद का सबसे सुंदर उपहार है। अब गांव का विकास होगा, किसानों को फसलों का उचित दाम मिलेगा और बीमारों को समय पर इलाज मिल पाएगा। वहीं पीएमजीएसवाई विभाग के जेई प्रदीप पंवार ने बताया कि बलाण गांव तक 2.2 किलोमीटर अतिरिक्त सड़क की कटिंग हो चुकी है। (एजेंसी)

डायट गौचर में समर कैंप 25 से

चमोली : गौचर के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 25 जून से पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय स्कूलों के 8 से 15 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। कैंप का समापन 29 जून को होगा। संस्थान के प्राचार्य आकाश सारस्वत की पहल पर यह कैंप वर्ष 2024 से लगातार आयोजित किया जा रहा है। कैंप में प्रार्थना, आनंदम और एरोबिक्स जैसी गतिविधियां होंगी। हस्तलेखन सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। डायट के प्रवक्ता एवं समन्वयक डॉ. कमलेश मिश्रा ने बताया कि समर कैंप सुबह सात बजे से 11 बजे तक चलेगा जबकि हस्तलेखन कार्यशाला 11 बजे से शाम पांच बजे तक होगी। (एजेंसी)

'रन फॉर योग' में युवाओं ने दिखाया जोश

चमोली : जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी विभाग चमोली की ओर से बुधवार को खेल मैदान गोपेश्वर में 'रन फॉर योग' का आयोजन किया गया। इसमें शामिल युवाओं ने खूब जोश दिखाया। दौड़ का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ में स्थानीय युवाओं, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं, वरिष्ठ नागरिकों और बालिकाओं ने भाग लिया। समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। एसपी सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि योग, खेल और आयुर्वेद स्वस्थ जीवन का आधार हैं। योग तनाव, अवसाद और नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं से नियमित योग और व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करने को कहा। कार्यक्रम में जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. श्रवण कुमार त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर को

चमोली : आगामी 12 सितंबर को चमोली जनपद के समस्त न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सीनियर सिविल जज पुनीत कुमार ने बताया कि यह आयोजन जिला न्यायालय परिसर गोपेश्वर के साथ ही न्यायालय जोशीमठ, कर्णप्रयाग, थराली, पोखरी और गैरसैंण में होगा। इसमें वाहन चालान से जुड़े मामलों का निपटारा भी होगा। (एजेंसी)

ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण सम्पन्न, प्रतिभागियों को बांटे प्रमाण पत्र

रुद्रप्रयाग : ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की ओर से आयोजित 35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। समापन समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं और युवतियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। लीड बैंक अधिकारी अनूप सिंह ने कहा कि कौशल विकास महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने ब्यूटी एवं वेलनेस क्षेत्र में स्वरोजगार की बेहतर संभावनाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर आरती पाल ने प्रतिभागियों को फेशियल, थ्रेडिंग, वैक्सिंग, हेयर कटिंग, हेयर स्टाइलिंग और ब्राइडल मेकअप सहित विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। वहीं आरसेटी निदेशक अरुण कुमार ने बैंकिंग, वित्तीय साक्षरता और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। जबकि प्रशिक्षक भूपेंद्र सिंह रावत ने उद्यमिता विकास, व्यवसाय प्रबंधन और विपणन संबंधी विषयों की जानकारी दी। कार्यक्रम में एसबीआई एडीबी के शाखा प्रबंधक शुभम पटेल ने भी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। (एजेंसी)

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

रुद्रपुर। रुद्रपुर के कीरतपुर क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया है। पिता ने रात एक बजे डायल 112 पर जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, 24 वर्षीय मुन्नी पांडे पत्नी हरीश चंद्र पांडे निवासी कीरतपुर की मंगलवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मुन्नी का विवाह करीब साढ़े तीन वर्ष पहले धौलादेवी ब्लॉक, अल्मोड़ा निवासी हरीश चंद्र पांडे से हुआ था। उनका दस माह का बेटा गौतम भी है। वह अपने सास–ससुर और पति के साथ कीरतपुर में करीब डेढ़ सालों से रह रही थी।

कर्णप्रयाग, पोखरी और गैरसैंण में आयोजित हुए बहुउद्देशीय शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को चमोली के कर्णप्रयाग, पोखरी एवं विकासखंड गैरसैंण में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए गए। इस दौरान जनपद के विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगार ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र ग्रामीणों को योजना से जोड़ने के लिए आवेदन पत्र भी वितरित किए गए।

जनपद के पोखरी विकासखण्ड में आयोजित शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य वीरेन्द्र राणा, गैरसैंण में सांसद प्रतिनिधि पृथ्वी सिंह ने किया। शिविर के दौरान ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ योजना के आवेदन की प्रक्रिया और पात्रता की भी जानकारी प्रदान की गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी धनंजय लिंगवाल ने बताया कि पोखरी में आयोजित शिविर में क्षेत्र के 247 ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। जिनमें से विभिन्न विभागों को अलग-अलग योजनाओं के लिए 186 आवेदन प्राप्त हुए। जिनका विभागों की ओर से मौके पर ही निस्तारण किया गया। गैरसैंण में आयोजित शिविर में 187 प्रतिभागियों में से 45 ग्रामीणों की ओर आवेदन किया गया। जिनमें से 22 आवेदनों को मौके पर निस्तारण किया गया। जबकि शेष के निस्तारण के लिए कार्रवाई की जा रही है। वहीं कर्णप्रयाग में आयोजित शिविर में 180 ग्रामीणों ने प्रतिभाग कर 55 की ओर से आवेदन किया गया। यहां प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष 33 का मौके पर निस्तारण कर अन्य को निस्तारण हेतु अग्रसारित किया गया है।

धाम की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य का संरक्षण जिला प्रशासन की प्राथमिकता

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : प्रतिवर्ष श्री केदारनाथ धाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों तथा सीमित संसाधनों के बावजूद जिला प्रशासन श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए निरंतर तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशन में धाम क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के समन्वय से व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को श्री केदारनाथ धाम में अलग अलग जगह फैले जूते-चप्पलों के संबंध में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत संपूर्ण मंदिर परिसर, केदारपुरी तथा नदी तट के समीप जूते-चप्पल हटाते हुए विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया। इसमें विभिन्न पर्यावरण मित्रों, स्वच्छता कर्मियों एवं सहयोगी संस्थाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए श्रद्धालुओं को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा ''ग्रीन एवं क्लीन यात्रा'' का संदेश दिया गया। जिला प्रशासन द्वारा यात्रा अवधि के दौरान संपूर्ण यात्रा मार्ग से श्री केदारनाथ धाम तक निरंतर व्यापक स्वच्छता एवं जनसुविधा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। यात्रा मार्ग पर 240 से अधिक शौचालय संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें महिलाओं एवं पुरुषों के लिए लगभग 600 से अधिक शौचालय सीटें उपलब्ध हैं।

बैरागीवाला कांड में हिन्दू रक्षक दल के सदस्य पर मुकदमा

विकासनगर। बैरागीवाला गांव में सिंचाई के पानी को लेकर हुए विवाद और हत्या की घटना के बाद मचे बवाल के शांत होने के बाद अब पुलिस ने भड़काऊ बयानबाजी को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। भड़काऊ बयानबाजी पर सहसपुर कोतवाली पुलिस ने हिंदू रक्षा दल के सदस्य ललित शर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस पहले भी पत्थरबाजी, आगजनी के मामले में डेढ़ सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चुकी है।सहसपुर कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक राजीव धारीवाल की ओर से दर्ज कराए गए बयान के आधार पर पुलिस ने यह मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाल प्रदीप रावत ने बताया कि बयान के मुताबिक 13 जून 2026 को ग्राम बैरागीवाला में सिंचाई के पानी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इस घटना में भाजपा नेता विनोद कुमार कश्यप की हत्या कर दी गई थी, जबकि उनके भाई अशोक, राजेश और सुषमा घायल हो गए थे। मामले में मृतक के परिजनों की तहरीर पर कोतवाली सहसपुर में पहले ही हत्या समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। घटना के अगले दिन 14 जून को बैरागीवाला में बड़ी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन के लिए एकत्रित हुए थे। इसी दौरान हिंदू रक्षा दल के कुछ सदस्य भी मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान ललित शर्मा ने मीडिया और वहां मौजूद लोगों के सामने समुदाय विशेष के खिलाफ कथित रूप से उत्तेजक, भड़काऊ और आपत्तिजनक बयान दिए। पुलिस का कहना है कि उक्त बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ,

वरिष्ठ नागरिकों को कराएंगे तीर्थस्थलों का भ्रमण

चमोली : पर्यटन विभाग की ओर से दीनदयाल मातृ पितृ योजना के लिए आवेदन मांगे गए हैं। योजना के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक प्रदेश के विभिन्न तीर्थस्थलों का निःशुल्क भ्रमण करेंगे। यात्रा के दौरान वाहनों की व्यवस्था उत्तराखंड परिवहन निगम, खान–पान एवं रात्रि निवास की व्यवस्था गढ़वाल मंडल विकास करेगा। इच्छुक वरिष्ठ नागरिक जिला पर्यटन कार्यालय गोपेश्वर और पर्यटक सूचना केंद्र ज्योतिर्मठ से आवेदन प्राप्त कर सकते हैं। पर्यटन विभाग की ओर से दीनदयाल मातृ–पितृ योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को गंगोत्री, बदरीनाथ, रीठा–मीठा साहिब, नानकमत्ता, कलियर शरीफ, ताड़केश्वर, कालीमठ, जागेश्वर, गैराड़ गोलू, गंगोलीहाट, बैजनाथ, महासू देवता आदि तीर्थस्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है। जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़ ने बताया कि यात्रा पूरी तरह निःशुल्क रहेगी जिसमें खाने रहने आदि की व्यवस्था भी होगी। संबंधित बुजुर्ग कार्यालय से संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। (एजेंसी)

21 जून को आयोजित होगी एनईईटी-यूजी परीक्षा, 262 अभ्यर्थी होंगे शामिल

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में आगामी 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली एनईईटी-यूजी परीक्षा के सफल, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अभ्यर्थियों की सहायता हेतु जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाइन नंबर 9411352136 एवं 7895500501 जारी किए गए हैं, जिन पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा को निष्पक्ष, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जनपद में कुल 262 अभ्यर्थी परीक्षा में प्रतिभाग करेंगे तथा परीक्षा के लिए प्रौद्योगिकी संस्थान कोठियालसैंण, गोपेश्वर को एकल परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिलाधिकारी ने अभ्यर्थियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परीक्षा केंद्र तक सुगम पहुंच सुनिश्चित करने, पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने तथा ट्रैफिक प्रबंधन के लिए प्रभावी रूट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने परीक्षा की सुरक्षा एवं गोपनीयता को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी कैमरे, जैमर सहित सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने को कहा।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को दी वैज्ञानिक खेती की जानकारी

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत जनपद के विभिन्न गांवों में एकदिवसीय सघन कृषक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में कुल 127 किसानों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत के मार्गदर्शन में वैज्ञानिकों ने ऐना, कुवाली, महतगांव, पागसा और गोग्यान बासी सीम गांवों में पहुंचकर किसानों को मृदा परीक्षण आधारित संतुलित पोषण प्रबंधन अपनाने तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के प्रति जागरूक किया। साथ ही "खेत का पानी खेत में, खेत की मिट्टी खेत में" की अवधारणा को अपनाने पर बल दिया गया। वैज्ञानिकों ने किसान गोष्ठियों के माध्यम से संतुलित उर्वरक उपयोग, गोबर की खाद की वैज्ञानिक तैयारी, हरी खाद, जैविक इनपुट्स तथा प्राकृतिक खेती के लाभों की जानकारी दी। किसानों को कच्चे गोबर से बढ़ने वाले कुरमुला कीट के वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में भी बताया गया। स्याल्दे क्षेत्र के गोग्यान बासी सीम में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और किसान आईडी निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

नाबालिग से शादी करने के आरोप में दूल्हे पर केस दर्ज

रुद्रपुर। एक युवक पर किशोरी से शादी करने का आरोप लगा है। मामले में एनजीओ की तहरीर पर पुलिस ने आरापी दूल्हे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल डेवलपमेंट की परियोजना निदेशक बिन्दुबासिनी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि 16 जून को उन्हे सूचना मिली कि 15 वर्षीय किशोरी का विवाह विशाल नामक युवक के साथ हुआ है। जानकारी लेने पर बालिका के माता–पिता ने विवाह के पंतनगर मंदिर में संपन्न होने को स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि इस विवाह में उनकी स्वीकृति नहीं थी। युवक पोस्ट आफिस गोकुल नगर में संविदा कर्मी के रुप में कार्यरत है।

विकासनगर उप जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक की तैनाती नहीं

विकासनगर। पछुवादून, जौनसार बावर के सबसे बड़े स्वास्थ्य केंद्र उप जिला अस्पताल विकासनगर में कोई भी न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं है, जिस कारण अस्पताल में आने वाले मरीजों को प्राथमिक उपचार देने के बाद देहरादून के लिए रेफर कर दिया जाता है।

उप जिला अस्पताल में पछुवादून, जौनसार बावर, टिहरी, उत्तरकाशी के साथ ही हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जनपद और उत्तर प्रदेश की बेहट तहसील के सीमांत गांवों से हर रोज छह सौ के करीब मरीज अपना उपचार करवाने के लिए आते हैं, जिसमें से रोज के करीब दो से तीन मरीजों को न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर नहीं होने की वजह से उनको देहरादून के अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है। सबसे ज्यादा ट्रॉमा के मरीजों को परेशानी होती है। दुर्घटना में घायल होकर आने वाले मरीज न्यूरोलॉजी डॉक्टर के अभाव में दून अस्पताल भेज दिए जाते हैं। इस दौरान कई बार मरीजों की जान जाने का खतरा भी रहता है। खास–कर सड़क दुर्घटना को लेकर अति संवेदनशील जौनसार बावर क्षेत्र में जब कोई वाहन दुर्घटना होती है तो उन्हें उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय में ही लाया जाता है। हेड इंज्युरी के मरीजों को तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट की जरूरत होती है। ऐसे में उप जिला अस्पताल में घायल की मरहम पट्टी के बाद उसे देहरादून के लिए रेफर कर दिया जाता है, जिससे कई बार घायल रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं।

एसएसजे विश्वविद्यालय कार्य परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय की तृतीय कार्य परिषद की बैठक कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन में आयोजित हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक और दीक्षांत समारोह से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में विश्वविद्यालय की तृतीय शैक्षिक परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन किया गया। साथ ही विभिन्न विषयों में शोधार्थियों को प्रदान की गई पीएचडी उपाधियों को भी स्वीकृति दी गई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के तहत विभिन्न विभागों में रिक्त शिक्षकों के पदों के लिए जारी विज्ञापन, प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया तथा रोस्टर समिति द्वारा तैयार रोस्टर पर भी चर्चा की गई। कार्य परिषद ने शिक्षकों एवं कार्मिकों को स्वीकृत असाधारण अवकाश, चिकित्सा अवकाश और त्यागपत्रों का अनुमोदन किया। इसके अलावा दैनिक, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक तथा तदर्थ आधार पर कार्यरत 11 कार्मिकों को रिक्त पदों के सापेक्ष विनियमित किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में 18 जून को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह की तैयारियों और समारोह में प्रदान किए जाने वाले पदकों की सूची का अनुमोदन किया गया। संबद्ध राजकीय महाविद्यालयों एवं स्ववित्तपोषित संस्थानों की संबद्धता से जुड़े प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय परिसर अल्मोड़ा के खेल मैदान का नाम 'सिमकनी मैदान' के स्थान पर 'सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिसर अल्मोड़ा क्रीड़ा मैदान' किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अपर सचिव मनुज गोयल ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। इसके अलावा प्रो. एन.एस. भंडारी, प्रो. जगत सिंह बिष्ट, प्रो. एच.सी. जोशी, प्रो. पुष्पेश पांडे, डॉ. डी.सी. पंत, डॉ. निर्मला जोशी, डॉ. नूतन श्रीवास्तव, डॉ. सबीहा नाज, वित्त अधिकारी अमित कुमार त्रिपाठी तथा कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट सहित कार्य परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

फीफा विश्व कप 2026

200 वें मैच में मेसी का जादुई शो

पहली विश्व कप हैट्रिक से अर्जेंटीना को दिलाई जीत

कैनसस सिटी। फीफा विश्व कप 2026 में लियोनल मेसी ने एक ऐसी रात को यादगार बना दिया, जिसे अर्जेंटीना के फुटबॉल फैंस शायद कभी नहीं भूलेंगे। अल्जीरिया के खिलाफ ग्रुप-जे के मुकाबले में मेसी ने अपने विश्व कप करियर की पहली हैट्रिक लगाई और अर्जेंटीना को 3-0 की शानदार जीत दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोज के विश्व कप में सर्वाधिक 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली।कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना शुरू से ही हावी रहा। कप्तान मेसी ने पहले हाफ में टीम को बढ़त दिलाई और फिर दूसरे हाफ में दो और गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। उनकी हैट्रिक की बदौलत मौजूदा विश्व चैंपियन ने अपने खिताब बचाने के अभियान की दमदार शुरुआत की।

हालंद और एमबाप्पे पर भारी पड़े मेसी

विश्व कप के छठे दिन एरलिंग हालंद और किलियन एमबाप्पे ने भी दो-दो गोल किए थे, लेकिन सारी सुर्खियां मेसी के नाम रहीं। हालंद ने नॉर्वे की ओर से इराक के खिलाफ दो गोल दागे, जबकि एमबा पे ने सेनेगल के खिलाफ फ्रांस की जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मेसी की हैट्रिक और रिकॉर्ड की बराबरी ने इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया। 80वें मिनट में जब मेसी को मैदान से बाहर बुलाया गया तो पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया। यह सिर्फ एक हैट्रिक नहीं थी, बल्कि फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक के करियर का एक और सुनहरा अध्याय था।

20 साल बाद रचा इतिहास

यह उपलब्धि इसलिए भी खास रही क्योंकि मेसी ने अपना पहला विश्व कप मैच 2006 में सर्बिया और मोंटेनेग्रो के खिलाफ खेला था। ठीक 20 साल बाद उन्होंने उसी मंच पर पहली विश्व कप हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया। वह विश्व कप के पांच अलग-अलग संस्करणों में गोल करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इस सूची में उनके साथ केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम शामिल है।

विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	देश	गोल
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	16
लियोनल मेसी	अर्जेंटीना	16*
रोनाल्डो	ब्राजील	15
किलियन एमबाप्पे	फ्रांस	14
गेर्ड मुलर	जर्मनी	14
जस्ट फोंटेन	फ्रांस	13
पेले	ब्राजील	12

क्लोज के रिकॉर्ड की बराबरी

विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मेसी के नाम विश्व कप में 13 गोल थे। अल्जीरिया के खिलाफ तीन गोल दागकर उन्होंने अपना आंकड़ा 16 तक पहुंचा दिया।इसके साथ ही उन्होंने मिरोस्लाव क्लोजे के सर्वाधिक विश्व कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अभी टूर्नामेंट के कई मैच बाकी हैं और ऐसे में मेसी के पास इस रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा।

एमबाप्पे फ्रांस के लिए बने सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी

न्यू जर्सी। कायलियन एमबाप्पे के दम पर फ्रांस ने ग्रुप आई के मुकाबले में सेनेगल को 3-1 से हराकर फीफा विश्व कप में विजयी आगाज किया। फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने दो गोल दागे। एमबाप्पे इसके साथ ही फ्रांस की ओर से विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने। दोनों टीमें पहले हाफ तक कोई गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में कप्तान कायलियन एमबाप्पे ने टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ब्रैडली बारकोला ने गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। निर्धारित 90 मिनट के बाद फ्रांस 2-0 से आगे था। हालांकि, आठ मिनट के इंजरी समय के दौरान सेनेगल के लिए इब्राहिम मबाये ने गोल दागा। लेकिन इसके चंद सेकेंड बाद ही एमबाप्पे ने एक और गोल कर फ्रांस को 3-1 से आगे कर दिया।

इंग्लैंड को लगा झटका, लिवरामेंटो चोट के कारण विश्व कप से हुए बाहर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के फुल बैक टिनो लिवरामेंटो पिंडली की चोट के कारण फुटबॉल विश्व कप से बाहर हो गए जिससे कोच थॉमस ट्यूशेल को क्रोएशिया के खिलाफ अपनी टीम के पहले मैच से ठीक पहले टीम में बदलाव करना पड़ा। चेल्सी के डिफेंडर ट्रेवो चालोबाह को उनकी जगह बुलाया गया है और वे कैनसस सिटी में इंग्लैंड के ट्रेनिंग शिविर में शामिल होने वाले हैं।

ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए थे लिवरामेंटो- इंग्लिश फुटबॉल संघ ने बताया कि न्यूकासल के डिफेंडर लिवरामेंटो रविवार को ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। एक बयान के अनुसार, 'सोमवार को हुए स्कैन और मेडिकल जांच से दुर्भाग्य से पुष्टि हुई कि वह (लिवरामेंटो) टूर्नामेंट में आगे इंग्लैंड की ओर से हिस्सा नहीं ले पाएंगे।' लिवरामेंटो को मुख्य रूप से उनकी बहुमुखी प्रतिभा के कारण चुना गया था क्योंकि वह राइट-बैक और लेफ्ट-बैक दोनों पोजीशन पर सहज थे। उन्हें मुख्य रूप से राइट-बैक पोजीशन पर अक्सर चोटिल होने वाले रीस जेम्स के बैकअप के तौर पर देखा जा रहा था। चालोबाह ने हाल के सत्र में चेल्सी के लिए अधिकतर सेंटर-बैक के तौर पर खेला है लेकिन उन्हें राइट-बैक के तौर पर खेलने का भी अनुभव है। इंग्लैंड गुरुवार को क्रोएशिया के खिलाफ अपने पहले ग्रुप मैच के लिए डलास जा रहा है। टीमें अपने पहले मैच की शुरुआत से 24 घंटे पहले तक चोटिल खिलाड़ियों की जगह दूसरे खिलाड़ियों को बुला सकती हैं।

खिताबी सूखे को समाप्त करने उतरेगा इंग्लैंड

डिफेंस में दोनों तरफ खेलने वाले टीनो लिवरामेंटो जांघ की चोट के कारण टूर्नामेंट में पूरी तरह मैच-फिट नहीं थे। वह फ्लोरिडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले के दूसरे हाफ में खेले थे, लेकिन कोस्टा रिका के विरुद्ध टीम के आखिरी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान बेंच पर ही रहे। इंग्लैंड ने साल 1966 में अपना एकमात्र फीफा विश्व कप खिताब जीता था। यह टीम इस साल छह दशक के सूखे को समाप्त करने उतरेगी।

भारत ने अफगानिस्तान को 403 रनों का विशाल लक्ष्य दिया

➲ गिल और किशन ने खेली शानदार शतकीय पारी

लखनऊ, एजेंसी। भारत बनाम अफगानिस्तान तीन मैच की एकदिवसीय शृंखला का दूसरा मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम ने दूसरे वनडे में अफगानिस्तान को 403 रन का लक्ष्य दिया। 49.5 ओवर में टीम इंडिया 402 रन पर सिमट गई। पहले खेलते हुए भारत की शुरुआत खास नहीं रही और यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हुए। उसके बाद रोहित शर्मा ने बेहतरीन 48 रन बनाए और कप्तान गिल व इशान किशन ने ताबड़तोड़ शतकीय पारियां खेलीं। शुभमन गिल ने 154 और इशान किशन ने 125 रन बनाए। वहीं रोहित शर्मा ने भी 48 रन की पारी खेली। भारत ने वनडे इंटरनेशनल में 8वीं बार 400 रनों का आंकड़ा पार किया है। अफगानिस्तान के लिए खरोटे ने 4 और राशिद खान ने 3 विकेट झटके।

शुभमन गिल भारत में सबसे तेज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में विराट कोहली और शिखर धवन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। गिल अब भारत में इनिंग के हिसाब से सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गिल ने लखनऊ के एकाना स्टेडियम में ना सिर्फ यह रिकॉर्ड बनाया और बल्कि शतक भी लगाया। गिल ने भारत में 19 इनिंग्स में एक हजार वनडे रन पूरे किए हैं। इससे पहले भारत में सबसे तेज एक हजार वनडे रन का रिकॉर्ड कोहली और धवन के नाम था जिन्होंने संयुक्त रूप से 24 इनिंग्स में यह कमाल किया है। लिस्ट में तीसरे नम्बर पर नवजोत सिंह सिद्धू और श्रेयस अय्यर हैं, इन दोनों ने 25 इनिंग्स में ऐसा किया है। इस लिस्ट में चौथे स्थान पर ईशान किशन हैं जिन्होंने 26 इनिंग्स में भारत में एक हजार रन पूरे किए हैं।

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम खेलेंगी सेरेना विंबलडन में बहन वीनस के साथ दिखेंगी

लंदन (एजेंसी)। टेनिस जगत की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में वापसी करने जा रही हैं। 44 वर्षीय अमेरिकी स्टार विंबलडन 2026 में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ महिला युगल वर्ग में खेलती नजर आएंगी। टूर्नामेंट आयोजकों ने मंगलवार को महिला युगल के लिए वाइल्ड कार्ड प्राप्त जोड़ियों की घोषणा की, जिसमें विलियम्स बहनों का नाम भी शामिल है।

विंबलडन महिला युगल वाइल्ड कार्ड जोड़ियां

- केटी बोल्टर / हीदर वॉटसन (ब्रिटेन)
- मेडेलीन ब्रूक्स / अमेलिया राजेकी (ब्रिटेन)
- जोडी बरेज / मिका स्टोजसाव्लजेविक (ब्रिटेन)
- फ्रेया क्रिस्टी / ईडन सिल्वा (ब्रिटेन)
- हैरियट डार्ट / माया लुम्सडेन (ब्रिटेन)
- एलिसिया डुडने / मिमी शू (ब्रिटेन)
- सेरेना विलियम्स / वीनस विलियम्स (अमेरिका)

चार साल बाद ग्रैंड स्लैम में वापसी

सेरेना विलियम्स ने आखिरी बार किसी ग्रैंड स्लैम में यूएस ओपन 2022 के दौरान हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हो गया था, जहां उन्हें अजला टोम्लजानोविच के खिलाफ तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से उन्होंने किसी भी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। अब विंबलडन 2026 के जरिए सेरेना एक बार फिर सबसे बड़े मंच पर वापसी करने जा रही हैं। उनकी वापसी ने टेनिस प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

हाल ही में की थी प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी

सेरेना ने हाल ही में क्वींस क्लब चैंपियनशिप में वापसी की थी। उन्होंने कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ युगल मुकाबले में जीत हासिल कर शानदार शुरुआत की थी। उनकी जोड़ी ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकी क्योंकि म्बोकोदौरान चोटिल हो गई थीं। इसके बावजूद सेरेना की वापसी ने यह संकेत दे दिया था कि वह एक बार फिर बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के लिए तैयार हैं।

वीनस-सेरेना की जोड़ी पर रहेंगी नजरें

वीनस और सेरेना विलियम्स महिला टेनिस इतिहास की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही हैं। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए हैं। लंबे समय बाद दोनों को एक बार फिर विंबलडन के कोर्ट पर साथ खेलते देखना प्रशंसकों के लिए खास मौका होगा।

विंबलडन में आकर्षण का केंद्र रहेंगी बहनें

विंबलडन 2026 में कई युवा सितारों के अलावा अनुभवी खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा सेरेना और वीनस की जोड़ी को लेकर होने की उम्मीद है। टेनिस इतिहास की दो महान खिलाड़ियों की यह वापसी न सिर्फ प्रशंसकों के लिए यादगार होगी, बल्कि महिला युगल प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को भी और रोमांचक बना देगी।

रोहित को लेकर जोंटी बोले-

उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला

केपटाउन। जोंटी रोड्स का मानना है कि भले ही रोहित शर्मा को जन्म से ही कोई असाधारण टैलेंट नहीं मिला था लेकिन अपने काम करने के तरीके में निरंतरता (कंसिस्टेंसी) की वजह से उन्होंने जबरदस्त सफलता हासिल की। रोहित क्रिकेट जगत में एक बड़ा नाम हैं और इंटरनेशनल क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी कप्तान के तौर पर उनका करियर शानदार रहा है। रोहित अभी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल रहे हैं। रोड्स ने मुंबई इंडियंस के साथ फील्डिंग कोच के तौर पर बिताए अपने समय को याद किया, जब उन्होंने बहुत करीब से देखा था कि रोहित अपने खेल पर कैसे काम करते थे। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व क्रिकेटर के मुताबिक रोहित की खासियत यह है कि वह मुश्किल चीजों को भी आसान बना देते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पत्रकारों से हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित शर्मा को प्रैक्टिस करते हुए देखने का मौका मिला।

पुरुषों में प्रदीप शीर्ष पर रहे

किरण ने जीती महिलाओं की 400 मीटर दौड़

सूरत। इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के 12वें चरण में हरियाणा की इंटरनेशनल रनर किरण पहल ने मंगलवार को महिलाओं की 400 मीटर दौड़ जीती। सूरत में आयोजित प्रतियोगिता में 25 वर्षीय किरण ने 53.49 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। इस सीजन किरण पहल का बेस्ट 52.89 सेकेंड रहा है, जो हाल ही में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज के लुधियाना चरण में दर्ज किया गया था। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में हिस्सा लिया था। 400 मीटर दौड़ में उनका पर्सनल बेस्ट 50.92 सेकेंड है। 48.41 सेकेंड का समय लेकर तमिलनाडु के प्रदीप एस. ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ का खिताब अपने नाम किया। हरियाणा के नवीन कुमार डागर ने लंबे समय बाद प्रतियोगिता में वापसी करते हुए पुरुषों की 3,000 मीटर स्टीपलचेज दौड़ 9 :09.80 सेकेंड में जीती। दिल्ली की चारू शौकीन ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ 12.29 सेकेंड में अपने नाम की।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप: आयरलैंड को हराकर इंग्लैंड ने दर्ज की दूसरी जीत

लंदन। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान इंग्लैंड ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले गेंदबाजों ने आयरलैंड को 20 ओवर में 118/9 पर रोक दिया, फिर कप्तान नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट की अहम साझेदारी की बदौलत लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि जीत के बीच इंग्लैंड को अपनी कप्तान की फिटनेस को लेकर चिंता भी सताने लगी है। 119 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली और 64 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की।

नैट 37 गेंदों में 48 रन बनाकर खेल रही थीं, लेकिन 16वें ओवर में उनकी पुरानी पिंडली (काफ) की चोट फिर उभर आई। इसके चलते उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा और मैच अधिकारियों ने उन्हें रिटायर्ड आउट घोषित किया। वह अपने अर्धशतक से सिर्फ दो रन दूर रह गईं। मैच के बाद नैट ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगली बार वह उन दो रनों का इंतजार जरूर करेंगी।

हीदर नाइट ने दिया फिटनेस अपडेट

मैच के बाद हीदर नाइट ने बताया कि नैट को उसी काफ में हल्का खिंचाव महसूस हुआ, जिसमें पहले भी चोट लगी थी। उन्होंने कहा, 'उन्हें एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर भेजा गया। अगले कुछ दिनों में उनकी जांच होगी और उम्मीद है कि वह जल्द फिट हो जाएंगी।'

क्या स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलेंगी नैट?

इंग्लैंड का अगला मुकाबला 20 जून को स्कॉटलैंड से है। नैट की फिटनेस को देखते हुए इस मैच में उनका खेलना फिलहाल तय नहीं माना जा रहा है। यदि वह उपलब्ध नहीं होती हैं तो चार्ली डीन टीम की कप्तानी संभाल सकती हैं। हालांकि इंग्लैंड चाहेगा कि 24 जून को वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले तक उनकी कप्तान पूरी तरह फिट हो जाएं।

गेंदबाजों ने आयरलैंड को किया बेबस

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत शानदार रही। लिन्सी स्मिथ ने पहले ही ओवर में एमी हंटर को आउट किया, जबकि लॉरेन बेल ने कप्तान गैबी लुईस को गोल्डन डक पर चलता किया। आयरलैंड की टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 10वें ओवर तक 57 रन पर पांच विकेट खो चुकी थी। आखिर में लुईस लिटल ने 15 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को 118/9 तक पहुंचाया।

नैट की पारी ने दिलाई जीत

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने पांच ओवर के भीतर दोनों ओपनरों एमी जोन्स और डैनी वायट-हॉज के विकेट गंवा दिए। एलिस कैप्सी भी सस्ते में आउट हो गईं और स्कोर 35/3 हो गया। इसके बाद नैट साइवर-ब्रंट और हीदर नाइट ने पारी संभाली। हीदर ने 23 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि नैट ने 48 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनके रिटायर्ड आउट होने के बाद कुछ और विकेट गिरे, लेकिन चार्ली डीन और डेनिएल गिब्सन ने 18वें ओवर में इंग्लैंड को जीत दिला दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ग्रुप-बी में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।